जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, गुरुवार 22 मई, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राज्य में 26 हजार करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

एवं

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन

मुख्य अतिथि

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

गरिमामय उपस्थिति

श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे
माननीय राज्यपाल, राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री अश्विनी वैष्णव
माननीय रेल मंत्री, भारत सरकार

श्री अर्जुन राम मेघवाल
माननीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार

शिलान्यास

- गोटन – साथिन (पीपाड़) राज्य राजमार्ग सं. 86-बी के विकास का कार्य
- अमृत 2.0 के अंतर्गत पाली, मारवाड़ जंक्शन, बाली, रानी, सोजत सिटी, फालना, सादड़ी में शहरी जल प्रदाय योजनाओं के पुनर्गठन के कार्य एवं जायका वित्त पोषित जिला झुंझुनूं (285 गांव) व सूरजगढ़ तथा उदयपुरवाटी शहर में पेयजल आपूर्ति कार्य
- डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर के गिरजासर, गडियाला माइनर, देवड़ा वितरिका, कोलायत वितरिका, नखत बन्ना माइनर और उप-माइनर के कमांड क्षेत्र में फव्वारा सिंचाई प्रणाली का विकास

लोकार्पण

- अजमेर,ब्यावर, नागौर, जोधपुर, चूरू, हनुमानगढ़, बाँसवाड़ा, डीडवाना-कुचामन, भीलवाड़ा, झुंझुनूं, सीकर, टोंक एवं जालोर जिलों के 14 राज्य राजमार्गों के 12 विकास कार्य
- बाँसवाड़ा जिले में माही सिंचाई परियोजना की 10 नहर प्रणालियों के पुनर्वास के कार्य
- राजपुरा (बीकानेर) एवं सराड़ा (सलूम्बर) में 132 केवी जीएसएस लाइनें
- नाथद्वारा (राजसमन्द), प्रतापगढ़, पालड़ी (भीलवाड़ा) एवं धौलपुर में नर्सिंग कॉलेज

22 मई, 2025 । प्रात: 10:30 बजे । स्थान - पलाना, बीकानेर

विकास पथ पर राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

आत्मा के आनंद रूपी सामंजस्य का बाहरी रूप दया है। –विलियम हैज़लित

राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल क्रांति

राजस्थान, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक गौरव के लिए जाना जाता है, आज शिक्षा और डिजिटल क्रांति के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। यह रेगिस्तानी राज्य, जहां कभी जल और संसाधनों की कमी ने विकास को चुनौती दी थी, अब शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल तकनीक के बल पर नई ऊंचाइयां छू रहा है। राजस्थान ने शिक्षा को सुलभ, समावेशी और आधुनिक बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें डिजिटल उपकरणों और इंटरनेट की शक्ति का उपयोग प्रमुख है।

राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल क्रांति की शुरुआत कुछ साल पहले ही हुई, लेकिन इसकी नींव काफी पहले पड़ चुकी थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने देश भर में शिक्षा में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने का रास्ता खोला, और राजस्थान ने इसे उत्साहपूर्वक अपनाया। राज्य सरकार ने शिक्षा को डिजिटल मंचों के माध्यम से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए कई योजनाएं शुरू कीं। मिशन बुनियाद इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जिसे 2022 में शुरू किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना, विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को बढ़ाना, लैंगिक असमानता को कम करना और स्कूल छोड़ने की दर को घटाना था। इस पहल के तहत लगभग 20 लाख विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल शिक्षा प्रदान की गई। यह कार्यक्रम छह जिलों–उदयपुर, सिरोही, भीलवाड़ा, सीकर, धौलपुर और करौली में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुआ, जहां कक्षा 8 से 12 के 24,360 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और उनकी सीखने की क्षमता में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह परिणाम इस बात का सबूत है कि डिजिटल शिक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रभावी हो सकती है। राज्य में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे पर भी ध्यान दिया गया है।

हाल ही में, 13,976 राजकीय विद्यालयों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) लैब्स स्थापित की गई हैं, जो छात्रों को तकनीकी संसाधनों से जोड़ रही हैं। इसके साथ ही, 13,018 स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम शुरू किए गए हैं, जहां इंटरैक्टिव डिजिटल बोर्ड और इंटरनेट कनेक्टिविटी के माध्यम से पढ़ाई को रोचक और आधुनिक बनाया जा रहा है। श्री गंगानगर जिले में राजस्थान का पहला डिजिटल स्कूल शुरू किया गया, जो इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ। ये पहल न केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित हैं, बल्कि ग्रामीण स्कूलों को भी डिजिटल संसाधनों से जोड़ा जा रहा है, ताकि शिक्षा की पहुंच हर कोने तक हो। हालांकि, इन उपलब्धियों के बावजूद, राजस्थान में डिजिटल शिक्षा के रास्ते में कई चुनौतियां भी हैं। सबसे बड़ी चुनौती है ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी। रेगिस्तानी भूभाग और बिखरी हुई आबादी के कारण कई गांवों में अभी भी विश्वसनीय इंटरनेट सुविधा नहीं है। इसके अलावा, बिजली की अनियमित आपूर्ति डिजिटल उपकरणों के उपयोग को बाधित करती है। ग्रामीण क्षेत्रों के कई स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं, जैसे पर्याप्त कक्षा या प्रशिक्षित शिक्षक, भी कमी है, जिसके कारण डिजिटल शिक्षा का प्रभाव सीमित हो जाता है।

शिक्षकों का तकनीकी प्रशिक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। कई शिक्षक, विशेष रूप से पुराने शिक्षक, डिजिटल उपकरणों और ऑनलाइन शिक्षण विधियों से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। इसके लिए निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता है, जो समय और संसाधनों की मांग करते हैं। आर्थिक असमानता भी डिजिटल शिक्षा के सामने एक बड़ा रोड़ा है। कई परिवारों के पास स्मार्टफोन, लैपटॉप या इंटरनेट डेटा खरीदने की क्षमता नहीं है, जिसके कारण ऑनलाइन कक्षाओं में उनकी भागीदारी कम रहती है। कोविड–19 महामारी के दौरान यह समस्या और भी स्पष्ट हो गई थी, जब ऑनलाइन शिक्षा एकमात्र विकल्प थी, लेकिन कई छात्र इससे वंचित रह गए। इसके अलावा, डिजिटल साक्षरता की कमी भी एक मुद्दा है। न केवल छात्रों, बल्कि अभिभावकों को भी डिजिटल उपकरणों के उपयोग और ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। इन चुनौतियों के बावजूद, राजस्थान ने इनका सामना करने के लिए कई रचनात्मक उपाय किए हैं, जैसे ऑफलाइन डिजिटल सामग्री प्रदान करना और सामुदायिक स्तर पर डिजिटल सेंटर्स स्थापित करना। भविष्य की बात करें तो राजस्थान में डिजिटल शिक्षा की संभावनाएं अपार हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत, राज्य सरकार ने 2025 तक कक्षा 3 तक के सभी बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जा रहा है।

स्टार लिंक जैसी सुविधाओं के लिए सरकार को अभी है खाका तैयार कर लेना चाहिए ताकि दूर संचार के क्षेत्र में राजस्थान धमाकेदार एन्ट्री करें और स्कूली शिक्षा का कायाकल्प हो। चुनौतियां निश्चित रूप से हैं, लेकिन इनका समाधान रचनात्मक और समावेशी दृष्टिकोण से संभव है। भविष्य में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्थानीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री जैसे नवाचार राजस्थान की शिक्षा प्रणाली को और सशक्त बनाएंगे।

भविष्य में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग आधारित शिक्षण मॉड्यूल को अपनाने की योजना है, जो प्रत्येक छात्र की सीखने की गति और जरूरतों के अनुसार पाठ्यक्रम को अनुकूलित कर सकते हैं। इसके अलावा, डिजिटल शिक्षा को और समावेशी बनाने के लिए मातृभाषा में शिक्षण सामग्री विकसित की जा रही है, ताकि राजस्थानी और अन्य स्थानीय भाषाओं में पढ़ाई संभव हो। यह कदम विशेष रूप से ग्रामीण छात्रों के लिए लाभकारी होगा, जो अक्सर हिंदी या अंग्रेजी में पढ़ाई को चुनौतीपूर्ण पाते हैं। राजस्थान में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विदेशी सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मिशन बुनियाद जैसे कार्यक्रमों में चिल्ड्रन इन्वेस्टमेंट फंड फाउंडेशन (सीआईएफएफ) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सहयोग प्राप्त हुआ है। इसके अलावा, वैश्विक तकनीकी कंपनियां, जैसे माइक्रोसॉफ्ट और गूगल, राजस्थान के स्कूलों में डिजिटल साक्षरता और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में योगदान दे रही हैं। ये कंपनियां क्लाउड–आधारित शिक्षण मंच और डिजिटल उपकरण प्रदान कर रही हैं, जो शिक्षण को और प्रभावी बना रहे हैं। विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थानों ने भी राजस्थान में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है। यह सहयोग न केवल तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराता है, बल्कि वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने में भी मदद करता है। उदाहरण के लिए, सिंगापुर और फिनलैंड जैसे देशों के डिजिटल शिक्षा मॉडल से प्रेरणा लेकर राजस्थान अपने पाठ्यक्रम को और नवाचारी बना सकता है। इस डिजिटल क्रांति के पीछे कई नायक भी हैं, जिन्होंने राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने नई शिक्षा नीति को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाई है। स्कूलों में मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध और संस्कार युक्त शिक्षा पर जोर जैसे कदम उठाए गए हैं, जो शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और मूल्य–आधारित बनाने की दिशा में हैं। इसके अलावा, कई गैर–सरकारी संगठन और सामाजिक कार्यकर्ता भी इस क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं। उदाहरण के लिए, कैवल्य एजुकेशन फाउंडेशन ने मिशन बुनियाद को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने हजारों छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ा। स्थानीय स्तर पर, कई शिक्षक भी अपने सीमित संसाधनों के बावजूद डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर छात्रों को प्रेरित कर रहे हैं। सरकार की भूमिका इस क्रांति को गति देने में सबसे महत्वपूर्ण रही है। राजस्थान सरकार ने न केवल नीतिगत स्तर पर बदलाव किए, बल्कि कार्यान्वयन पर भी विशेष ध्यान दिया।

नई शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया, जिसने विश्वविद्यालयों और स्कूलों में नीति के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया। शिक्षा विभाग ने स्कूलों को चार श्रेणियों–कक्षा 1 से 5, 1 से 8, 1 से 10 और 1 से 12–में संगठित करने की योजना बनाई, ताकि शिक्षा का ढांचा और सुसंगत हो। इसके अलावा, डिजिटल डिवाइड को कम करने के लिए राजस्थान डिजिटल सेवा योजना शुरू की गई, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से महिलाओं को डिजिटल दुनिया से जोड़ना है। सरकार ने शिक्षकों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किए हैं, ताकि वे तकनीक का बेहतर उपयोग कर सकें।हालांकि, सरकार के सामने अभी भी कई चुनौतियां हैं। डिजिटल शिक्षा के लिए पर्याप्त बजट आवंटन, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास और शिक्षकों की भर्ती और प्रशिक्षण जैसे मुद्दों पर और काम करने की जरूरत है। इसके अलावा, डिजिटल शिक्षा के दीर्घकालिक प्रभाव को मापने के लिए एक मजबूत निगरानी और मूल्यांकन तंत्र की आवश्यकता है। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि डिजिटल शिक्षा केवल तकनीकी संसाधनों तक सीमित न रहे, बल्कि यह छात्रों के समग्र विकास में योगदान दे। राजस्थान में शिक्षा और डिजिटल क्रांति का सफर अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन इसकी दिशा और गति उत्साहजनक है। मिशन बुनियाद, आईसीटी लैब्स, स्मार्ट क्लासरूम और विदेशी सहयोग जैसे कदम इस दिशा में मजबूत नींव रख रहे हैं। आज अन्य प्रदेशों से सींग लेते हुए राज्य में पहली कक्षा से ही एआई को शिक्षा में जोड़ने की जरूरत है। स्टार लिंक जैसी सुविधाओं के लिए सरकार को अभी से खाका तैयार कर लेना चाहिए ताकि दूर संचार के क्षेत्र में राजस्थान धमाकेदार एन्ट्री करें और स्कूली शिक्षा का कायाकल्प हो। चुनौतियां निश्चित रूप से हैं, लेकिन इनका समाधान रचनात्मक और समावेशी दृष्टिकोण से संभव है। भविष्य में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्थानीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री जैसे नवाचार राजस्थान की शिक्षा प्रणाली को और सशक्त बनाएंगे। इस क्रांति के नायक चाहे वे शिक्षक हों, नीति निर्माता हों या सामाजिक कार्यकर्ता राजस्थान को एक ऐसी दिशा में ले जा रहे हैं, जहां शिक्षा न केवल सुलभ होगी, बल्कि यह हर बच्चे के सपनों को साकार करने का माध्यम भी बनेगी। सरकार की सक्रिय भूमिका और समाज के सहयोग से, राजस्थान निश्चित रूप से डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में एक मॉडल राज्य बन सकता है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा
साहित्यकार, शिक्षाविद और चिन्तक

ट्रम्प भाईसाहब, अब बस भी करो

महावीर सिंह

पाकिस्तान के समर्थन–उकसावे से आतंकवादियों द्वारा पहलगांव में गई, 26 निर्दोष पर्यटकों की विभत्स, अमानवीय, अधार्मिक हत्या की घटना के बाद भारत के द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध समुचित दंडनीय कार्यवाही की ही जानी थी। पहलगांव घटना की लगभग विश्व के सम्पूर्ण सभ्य समाज द्वारा भर्त्सना की गई। चीन नें भर्त्सना तो की किन्तु संयम बरतने की सलाह के साथ, तुर्केय व अजरबैजान नें खुलकर भर्त्सना नहीं की। भारत के निकट पड़ोसियों नें भी घटना की मात्र हल्की से आलोचना कर ठंडा सा व्यवहार ही दिखाया। बहुत से भारतीयों की नजर में यह गम्भीर बात है और भारत की शक्तिशाली सरकार को इस ओर गम्भीरता से ध्यान देना चाहिए कि ऐसा क्यों?

पहलगांव घटना 22 अप्रेल 2025 को घटी। भारत द्वारा कार्यवाही की गई 7 मई की रात्रि को। भारत द्वारा पाकिस्तान को दंड देने के स्वरूप पाकिस्तानी पंजाब व पीओके के चिन्हित 22 में से 9 आतंकी ठिकानों, प्रशिक्षण व ठहराव स्थानों, आतंकियों के भारत में घुसने के लॉंचपैडस को ध्वस्त कर दिया गया। यह सेना के शौर्य, प्लानिंग और अचूक निशानों का नतीजा था। भारत का हर नागरिक भारतीय सेना की उत्कृष्टता, बहादुरी, पेशेवराना व विधिसम्मत कार्यशैली को नतमस्तक होकर अभिवादन, सलाम, प्रणाम करता है।

निश्चित: इतनी बड़ी कार्यवाही के लिए सटीक सूचनाओं को एकत्र कर, उनको मध्यनजर रखकर पूरी योजना बनानी पड़ती है, योजना के क्रियान्वयन के लिए तैयारी करनी पड़ती है। विभिन्न महकमों व सेना के विभिन्न अंगों की कार्यवाहियों में समन्वय बैठना पड़ता है। इसके बाद कार्यवाही को अंजाम दिया जाता है। इसमें 15 दिन का समय लगा।

यहां एक सामान्य नागरिक के मन में एक सद्भावी प्रश्न तो उठता है--ऐसा लगता है कि शायद, भारत के पास आतंकी घटना के घटने के कुछ ही घण्टों में तुरंत कार्यवाही की कोई समुचित, सुविचारित, पूर्वनिर्धारित कार्य योजना नही है।

15 दिन के समय नें पाकिस्तान और उनके द्वारा तैयार आतंकियों को अपने आप को सुरक्षित करने और भारत की जवाबी कार्यवाही से होने वाला नुकसान को कम से कम हो इसके लिए तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल गया होगा। उनका नुकसान भी कम से कम ही हुआ होगा।आतंकी मरने की प्रतीक्षा थोड़े ही कर रहे होंगे।

कहने वाले कह सकते है कि बाहर बैठ कर सीख देना सबसे आसान काम है। हां काफी हद तक यह ठीक भी है। किन्तु दूसरा पक्ष है कि वर्तमानं में हमारे सेटेलाइट्स पाकिस्तान का, लगभग पूरा भुगोलिक क्षेत्र, हर समय, कवर करते है। उनसे प्राप्त चित्रों के सतत परीक्षण से आतंकी ठिकानों और वहां हो रही गतिविधियों की रियलटाइम ट्रैकिंग सम्भव लगती है। पाकिस्तान लगातार मुंबई की आतंकी घटना, संसद पर हमला, पठानकोट, पुलवामा, उरी व पहलगांव जैसी आतंकी कार्यवाही करता आ रहा है। विगत 10 वर्षों में की गई सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद भी पाकिस्तान नही सुधरा। तो फिर पाकिस्तान को सदैव के लिए स्थायी सूचना दे दी जाए कि यदि उसकी धरती से कोई आतंकी घटना भारत पर हुई तो तत्काल अन्य विधि सम्मत सभी प्रकार कार्यवाहियों के साथ साथ, समुचित हवाई हमले किए जांएगे।

इसके लिए आतंकी ठिकानों की दिन–प्रतिदिन आधार पर सही सूचनाएं इक्कठी करते रहना होगा और तत्काल जवाबी कार्यवाही करनी होगी। अगर हमारे सुरक्षा सलाहकारों, विशेषज्ञों का जमावड़ा इसे सम्भव नहीनमंत है तो फिर नियति यही है कि पहले पाकिस्तान कोई बड़ी आतंकी घटना करे और फिर हम 10–15 दिन में उसे सबक सिखा दें और फिर बैठ जाएं।ऐसा कब तक? 7 मई और 10 मई के बीच कई बार पाकिस्तानी सेना नें अतंर्राष्ट्रीय सीमा व लाइन ऑफ कंट्रोल पर, बेजा हरकत करते हुए भारतीय सेना व बेगुनाह नागरिकों पर भारी तोपखाने, ड्रोन्स व मिसाइलस से से हमले किये गए।इस गम्भीर, अवांछनीय हरकत का भारत की सेना नें भी मुनासिब कार्यवाही कर प्रत्युत्तर दिया।इसी कार्यवाही में 10 मई की रात्रि व सुबह पाकिस्तान के 11 बेहद महत्वपूर्ण हवाईअड्डों को पाकिस्तान वायु सेना के लिए अनुपयोगी बना दिये अर्थात एक तरह से पाक वायुसेना को नुमाइसी खिलोने जैसा बना दिया। इनमें रावलपिंडी का हवाईअड्डा (नुरखान एयर बेस) उस स्थान के अत्यंत समीप बताया गया है जहां पाकिस्तान का परमाणु शस्त्रागार बताया जाता है।

माना जाता है कि इसके बाद ही पाकिस्तान नें अमरीका सहित कुछ देशों से भारत के हमले रुकवाने का अनुरोध किया। भारतीय पक्ष का कहना है कि पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स नें भारतीय समक्ष से वार्ता की और युद्ध रोकने का अनुरोध किया। उसके बाद युद्ध रोकने की सहमति बनी जिसकी घोषणा भारत के विदेश सचिव नें 10 मई को एक प्रेस कांफ्रेंस में की जिसका सार था कि उस रोज 5 बजे से युद्ध कार्यवाहियां रोक दी गई। वैसे अनपढ़ भारतीय भी जनता है कि भारत की सेना कोई पाकिस्तान की सेना की तरह, थोड़ा ही है जहां सेना युद्ध शुरू और रोकने के लिए बिना सरकार की सहमति/अनुमति के कोई भी निर्णय ले लेती है।। भारत में ऐसे निर्णय जनता की चुनी हुई सरकार के द्वारा ही लिए जाते है अर्थात भारत की सरकार नें 10 मई 2025 को सांयकाल 5 बजे से जल, थल, वायु से कोई युद्धक कार्यवाही न करने सम्बन्धी पाकिस्तानी अनुरोध को मान लिया। सरकार से इसे युद्ध विराम के बजाए संघर्ष विराम कहना ज्यादा पसन्द करती है। लेकिन यहां किसी नें कुछ भ्रम पैदा कर दिया-----भारत के परम मित्र अमरीका के कुछ उच्चपदस्थ मित्र लोगों ने। वहां के विदेश मंत्री मार्क रुबियो नें कहा कि उन्होंने भारत के प्रधान मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से बात की और उनसे संयम बरतने की अपील की। भारत नें तो उनसे यह अनुरोध किया नहीं होगा क्योंकि उस समय जो परिस्थितियां थी उनके रहते भारत को ऐसा करने की आवश्यकता नहीं थी। इसका अर्थ है कि ऐसा करने के लिए उनसे पाकिस्तान नें अनुरोध किया होगा। यहां तक भी ठीक है। विश्व में जब जहां कही युद्ध की स्थितियां होती है तो कुछ देश लड़ने वाले देशों से शांति की अपीलें करते रहते हैं–कुछ गम्भीरता से तो कुछ यों ही विदेश नीति की एक रूटीन कार्यवाही के रूप में।

पहला गम्भीर प्रश्न तो यह है कि भारत नें यह अनुरोध क्यों माना? भारत के उच्चपदस्थ कई युद्धवीर नेता लोग, उनके अतिकरीबी धर्माचार्यों, कुछ सांस्कृतिक संगठनों के महंतों नें तो यह घोषणा तक कर रखी थी कि अतिशीघ्र निकट भविष्य में तो बस लिया ही मानो। भारत की संसद कई प्रस्तावों के माध्यम से यह दोहरा चूकी कि इ्ध्ख भारत का अभिन्न हिस्सा है। संसद में कई बार छाती ठोक के कहा गया है कि विलय के समय युद्ध विराम की 2–4 दिन की जल्दबाजी की जो गलती तत्समय के हुक्मरानों नें की उसे सुधारने का समय आ गया है।

7 से 10 मई के बीच घटित हुआ और जिस प्रकार से हमारे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया वाले जैसा, एक तरह से आंखों देखा सा हाल बता रहे थे, उस से तो यही लग रहा था कि पाकिस्तान हथियार डालने ही वाला था। फिर यह अमरीकी अनुरोध मानने का क्या अर्थ? हमारे बयानवीर नेता लोग तो बेचारे थक गए यह बताते बताते कि लड़ाई रोकने के लिए किसी का कोई बाहरी दबाव नहीं था, कोई व्यापार की बात कह कर युद्ध विराम नहीं कराया गया--केवल व केवल पाकिस्तान गिड़गड़ाया तब भारत नें दया दिखा कर बड़े भाई साहब वाला रोल अदा किया।संघर्ष विराम किया है, ओप्रेसन सिंदूर अब भी चालू है अर्थात-----(जैसा आप चाहो वैसा अर्थ निकालो)। अब यह मीडिया रिपोर्टिंग और संघर्ष विराम की कहानी इतनी सी होती तब तक ठीक था। हमारे जैसे लोगों ने तो बिना मीन मेख के मान लिया था कि जो हमारी सरकार कह रही है वही 100 टक्का सही हैं। किंतु बीच में कूद पड़े, हमारे नेता भाई साहबों के परम मित्र ट्रम्प भाई साहब। ट्रम्प भाई साहब घोषित रूप से भारत के परम मित्र है, जिनके लिए यहां से वहां तक पलक पांवड़े बिछाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। हमारे विदेश सचिव जी नें संघर्ष विराम वाली घोषणा की उसके लगभग साथ सी ही, ट्रम्प भाई जान कुछ कुछ इस प्रकार के अर्थ वाली बातें कह बैठे कि उनके अधिकारियों जे डी वेन्स व मार्क्र रुबियो नें अथक प्रयास कर, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम करा दिया। कोई अत्यंत बड़ी विनाशकारी दुर्घटना हो सकती थी। उस से पहले ही व्यापार का हवाला देकर, होने वाली अत्यंत भयानक घटना रुकवा दी।

अब भारत के अधिकारी लोग कहते रहें कि किसी तीसरे पक्ष का कोई रोल संघर्ष विराम में नहीं किन्तु ठाले बैठे विपक्ष को तो एक मुद्दा पकड़ा ही दिया न ट्रम्प भाई जान नें। अगर एक बार कह के रुक जाते तो भी बात बनी रहती किन्तु ट्रम्प भाई साहब तो रुकने का नाम ही नही ले रहे---अमरीका में कहा सो कहा विदेशों में भ्रमण कर रहे है वहां भी कुछ कुछ ऐसा ही कह देते हैं। अब तक 6–7 बार घूमा फिरा कर ऐसा स्पस्ट रूप से या सांकेतिक रूप से कह चुके हैं। ब्रिटेन के विदेश मंत्री लैमी भी पाकिस्तान में आकर कह गए कि ब्रिटेन अमरीका के साथ काम करते हुए भारत पाकिस्तान के मध्य मुद्दे सुलझाने का प्रयास करता रहेगा। इस से भी प्रश्न होता है कि कोई ऐसी बात हुई क्या? अब यहां के कद्दावर नेताओं ने तो पूरा जोर लगा रखा है यह समझने के लिए कि ट्रम्प भाई साहब तो यों ही बोलते रहते है, उन्हें कोई सिरिसली नहीं लेता। यह लोग गिना रहे है कि पहले राष्ट्रपति कार्यकाल में वर्ष वार कितनी कितनी बार झूठ बोले ट्रम्प भाई साहब।

अब 19 मई 2025 को विदेश सचिव नें यह कहा है कि ट्रम्प स्वमेव बीच में आ रहे हैं तो हम क्या करें। यहां के कुछ मंदबुद्धि लोग और सत्ताधारियों की नजर में कुछ कुछ देशद्रोही टाइप लोग यों ही बात का बतंगड़ बना रहे है। इस वक्त राष्ट्र प्रेम का सर्वोत्तम उदाहरण है कि सरकार की कही बात को 100 टक्का सही मानना ही है। लेकिन फिर भी कुछ सिरफिरे लोग इस बात को ऐसे ही आयी गयी होने ही नहीं दे रहे। चलो छोड़ो जी, यह तो बड़े लोगों की बातें है। एक–दूसरे की टांग, पूँछ, मूछ जो हाथ लगे सो खींचना इन बड़े नेताओं का पसंददीदा खेल बन चुका है लेकिन मेरे गांव का आदमी भी कुछ अटपटे सवाल पूछ लेता है जिनका मेरे जैसे स्वघोषित परम् राष्ट्रवादी के पास भी कोई जवाब नहीं::--(1) बैसरेंन घाटी में जहां 2–3 हजार पर्यटक हर रोज जा रहे थे, सुरक्षा व अन्य सुविधाओं की घोर अनदेखी क्यों थी? (2) 26 पर्यटकों के मौत के जिम्मेदार वो 3–4 आतंकी,आखिर कब तक पकड़े जाएंगे? मार दिए गए या पाकिस्तान में प्रवेश कर गए? (3) ट्रम्प भाई जान बार बार क्यों कह देते है, उन्होंने युद्ध रुकवाया, आण्विक युद्ध का खतरा टलवाया, किसी न्यूट्रल देश में वार्ता का प्रस्ताव दिया वगैरा वैगारा जिसे अखबारों नें कुछ यो छापा है::--

"Donald Trump claims he stopped India Pakistan nuclear war:'Told them gonna do a lot of trade with you"(gonna means I am going to--in general speaking)

Trump once again claims he helped settleIndia-Pak tensions,--used trade as leverage.

This is the sixth time since Saturday that Trump has claimed that the US brokered the ceasefire between New Delhi and Islamabad.""

सवाल ओर भी थे गांव के लोगों के----

(4) ठाले बैठे लोगों के पास ओर नही तो यही सवाल है कि पुलवामा के हमलों की सुरक्षा चूक का क्या खुलासा हुआ व चूक पर क्या कार्यवाही हुई (5) यह भी चर्चा कर लेते हैं कि सरकार खुद ही प्रश्न का उत्तर उचित स्तर से दे तो आगे सवाल उठे ही नहीं, क्या कारण है, क्यो ऐसा नही किया जाता? सनसडब्क विशेष सत्र बुलाकर सारी बताने योग्य बातें संसद में बता दे---क्यों आम आदमी या विपक्ष के सवालों को सेना के शौर्य पर शक का मुलमा चढ़ा कर दफन कर दिए जाते है और सवाल करने वालों को देशद्रोही तक कह जाता है? क्या जो सवाल देश की जनता के मन में है वैसे सवाल अभी विभिन्न देशों में भेजे जा रहे सांसदों से वहां का मीडिया नहीं पूछेगा--उनको तो देश द्रोही कहलाने का डर होगा नही!

इस देश में शायद ही कोई ऐसा हो जिसे देश की सेना के शौर्य, अनुशासन, पेशेवर सक्षमता, वीरता पर भरोसा नही हो किन्तु ऐसा दावा कई नेताओं की देश के प्रति निष्ठा और प्रेम के सम्बंध में निर्विवाद रूप से नहीं किया सकता क्योंकि उनके बोल व कर्म कई बार संशय उत्पन्न करते हैं। ओर जाते जाते, दिल्ली स्थित विकासशील देशों के दूतावास हमारे बड़बोले नेताओं के एक एक बयान, वाक्य, भावभंगिमाओं का विश्लेषण कर अपनी सरकारों को ब्रीफ भेजते हैं और उन देशों के नेता उन्हें ध्यान में रखकर ही हमारे नेताओं से ठक्कर सुहाती बातें करते है। विभिन्न देशों के बीच रिश्तों व राजनीति के विद्वान, विश्लेषक, ज्ञाता मोरगनथा के अनुसार

"राष्ट्रों के बीच सम्बन्ध एक शक्ति संघर्ष है। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में, राष्ट्र–राज्य मुख्य अभिनेता हैं। उनका उद्देश्य अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है। राष्ट्र की शक्ति एक महत्वपूर्ण कारक है। राज्यों को शक्ति और नैतिकता के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए।" शक्तिशाली राष्ट्रों के बीच के रिश्ते गलबाहियों से तय नहीं होते।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

जन आधार व राशन कार्ड सेवाएं नहीं मिलने से ग्रामीण परेशान

- **ग्राम पंचायत नान्दला, बुबानिया और धोलादांता बुबानिया के ग्रामीणों ने उपखण्ड अधिकारी, नसीराबाद को ज्ञापन सौंपा**
- **नगर पालिका में विलय के बाद से काम रुके हुए हैं, सरकार की योजनाओं से वंचित हो रहे ग्रामीण**

नसीराबाद, (निसं)। ग्राम पंचायत नान्दला, बुबानिया और धोलादांता बुबानिया के ग्रामीणों ने उपखण्ड अधिकारी, नसीराबाद को ज्ञापन सौंपकर जन आधार और राशन कार्ड से जुड़े कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि नगरपालिका नसीराबाद में पंचायत के विलय के बाद से पिछले दो महीनों से ये कार्य पूर्ण रूप से बंद पड़े हैं।

ज्ञापन में बताया गया कि पूर्व में श्रीनगर पंचायत समिति के माध्यम से जन आधार, राशन कार्ड, खाद्य सुरक्षा सूची में नाम जोड़ने जैसे कार्य सहजता से किए जा रहे थे, लेकिन अब नगर पालिका क्षेत्र में शामिल होने के बाद यह सभी सेवाएं बाधित हो गई हैं। ग्रामीणों ने चिंता जताई है कि खाद्य सुरक्षा योजना में नाम जोड़ने की प्रक्रिया भी रुकी हुई है और यदि समय पर कार्य शुरू नहीं हुए तो बहुत से परिवार सरकारी योजनाओं से वंचित रह सकते हैं। ग्रामीणों ने उपखण्ड अधिकारी से मांग की है कि ग्राम पंचायत नान्दला एवं संबंधित गांवों के जन आधार व राशन कार्ड संबंधी कार्यों को शीघ्र पुनः प्रारंभ कराया जाए, ताकि आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

नगर पालिका द्वारा सफाई के लिए खुले छोड़े गये नाले आमजन के लिये खतरा बने

पावटा, (निसं)। पावटा प्रागपुरा नगर पालिका क्षेत्र के पावटा कस्बा में नगर पालिका की लापरवाही का खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है।

कस्बे के सुभाष चौक पर नगर पालिका की ओर से नाला अवरुद्ध होने पर सफाई के लिए खोला गया। लोगों ने नगर पालिका अधिकारियों से नाले की सफाई कर उसका पुनर्निर्माण कराने की मांग की, लेकिन नगर पालिका ने बिना चेतावनी बोर्ड के नालों को खुला छोड़ रखा है। ऐसे में अब रास्ते से गुजरने वाले आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही नाले की वजह से हादसे की आशंका भी बनी रहती है। नाला अवरुद्ध होने की वजह से नगर पालिका ने जेसीबी से नाले को तोड़ दिया व नाले का सफाई व निर्माण कार्य बंद पड़ा है। व्यापारियों व राहगीरों ने बताया कि नाला ऐसे ही खुला पड़ा है। जिसकी वजह से आम रास्ते से निकलना मुश्किल हो गया है। साथ ही बदबू और मच्छरों से भी लोगों को परेशानी हो रही है।

इस संबंध में क्षेत्रवासियों ने पालिका के अधिकारी को कई बार बताया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया। क्षेत्रवासियों ने बताया कि रास्ते में नाला खुदा होने की वजह से मरीजों को लंबा रास्ता तय करके अन्य रास्तों से अपने गंतव्य तक जाना पड़ता है। इतना ही नहीं, रात के समय इस खुले नाले की वजह से दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। साथ ही क्षेत्र में गंदगी भी पसरी रहती है। क्षेत्रवासियों ने नगर पालिका अधिकारियों से नाले की जल्द सफाई करवाकर ठीक कराने की मांग की है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 22 मई, 2025

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र सायं 5:47 तक, विष्कुम्भ योग रात्रि 9:49 तक, वणिजकरण दिन 2:17 तक, चन्द्रमा दिन 12:08 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–कर्क, बुध–मेष, गुरू–मिथुन, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 2:17 से रात्रि 1:31 तक है। आज पंचक है। आज से राष्ट्रीय ज्येष्ठ मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:21 तक, चर 10:42 से 12:23 तक, लाभ अमृत 12:23 से 3:45 तक, शुभ 5:26 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:07

मेष
आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पूर्व में आर्थिक मामलों में उचित सफलता मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

कन्या
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

तुला
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार होगा।

वृश्चिक
परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 44 प्रभात जालोर, गुरुवार 22 मई, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

अमेरिका से भारत भेजे गये प्रत्येक 1000 डॉलर पर अब पचास डॉलर का नया टैक्स लगेगा

जैसा कि विदित ही है, अमेरिका से भारतीय मूल के 45 लाख लोग, अपने वृद्ध माँ-बाप के लिये, बच्चों की शिक्षा व अन्य इमरजैंसियों के लिए, प्रति वर्ष लगभग 100 बिलियन डॉलर भेजते हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मई। अमेरिकी प्रशासन के एक नए लैजिस्लेटिव प्रपोज़ल (विधायी प्रस्ताव) ने अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोगों और नई दिल्ली के नीति निर्धारकों के बीच चिंता बढ़ा दी है। ''वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट'' नाम के इस प्रस्ताव में अमेरिका से विदेश भेजी जाने वाली रकम पर 5 प्रतिशत एक्साइज़ टैक्स लगाने की बात कही गई है, यह कदम भारतीय प्रवासी और उनके देश में बसे परिवारों के बीच की एक महत्वपूर्ण फायनैंशियल लाइफलाइन को झटका दे सकता है। यदि यह कानून बनता है, तो इसका असर भारत के शहरों से लेकर गांवों तक के घरेलू बजटों पर पड़ेगा और भारत की व्यापक आर्थिक प्रणाली तक पहुँचेगा।

यह प्रस्तावित टैक्स सभी गैर-अमेरिकी नागरिकों द्वारा अपने देशों में भेजी जाने वाली राशि पर लागू होगा,

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- अब इस 5 प्रतिशत के नये प्रस्तावित टैक्स से, इस रकम में लगभग 1.6 बिलियन डॉलर की कमी होने का अंदाज़ा है।
- गाँव व छोटे-छोटे शहरों में बसे परिवारों के लिए अमेरिका से उनके बच्चों द्वारा भेजी गई यह रकम जीवन-दायिनी का काम करती थीं। अतः अमेरिका से आने वाले पैसे की ''फ्रीक्वैंसी'' कम हो जायेगी या ''अमाउंट'' कम हो जाएगा।
- अतः, भारी संभावना है कि अब अमेरिका में रहने वाले अप्रवासी भारतीय, अपने परिवार को भेजने वाले पैसे को हवाला या अन्य ''अव्यवस्थित व गैर कानूनी'' रास्ते से भेजने लगेंगे।
- भारत में विदेश से (अमेरिका से) आने वाली रकम घटने से भारत का विदेशी मुद्रा का कोष (रिज़र्व) भी लगातार कम होगा।
- साथ ही भारत व अमेरिका के बीच संबंधों में दरार भी आ सकती है, क्योंकि ये अप्रवासी भारतीय अपनी मेहनत से अमेरिका की इकॉनमी को समृद्ध तो करते ही हैं, अपने भारत स्थित परिवारों का लालन-पालन भी करते हैं और उनकी इस जायज़ आय को बाधित करने से दोनों देशों के बीच तनाव तो आयेगा ही।
- पर, ट्रम्प इस कदम से अपने वोट बैंक को तो खुश कर रहे हैं, जो कि ''अमेरिका फर्स्ट'' नारे में विश्वास करते हैं तथा भारी संख्या में विदेशियों के अमेरिका आने को पसंद नहीं करते।

65 वर्ष के दृष्टि बाधित को जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट क्यों आना पड़ा

जयपुर, 21 मई। सुप्रीम कोर्ट ने धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेज से जुड़े मामले में 65 साल के दृष्टिबाधित आरोपी को जमानत नहीं देने को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने आरोपी को जमानत देते हुए कहा कि यह बड़े दुर्भाग्य की बात है कि मामला मजिस्ट्रेट कोर्ट की सुनवाई वाला केस है और पचास फीसदी दृष्टिबाधित बुजुर्ग को भी जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करनी पड़ी।

सुप्रीम कोर्ट ने आपसी लेनदेन के धोखाधड़ी के मामले में आरोपी को जमानत देते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस तरह के मामलों में भी जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट तक आना पड़ा।

- सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की तथा निर्देश दिये।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुयान की खंडपीठ ने यह आदेश राधेश्याम शर्मा की आपराधिक अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा है कि आरोपी को एक सप्ताह में संबंधित निचली अदालत में पेश किया जाए और अदालत उसे उचित शर्तों पर रिहा करे।

याचिका में अधिवक्ता गिर्राज प्रसाद शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता बीते करीब सात माह से जेल में बंद है। वह 65 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति है और पचास फीसदी से अधिक दृष्टि बाधित है। वहीं, मामले में पुलिस ने आरोप पत्र भी पेश कर दिया है। इस पर

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बाँग्लादेश में सेना सत्ता संभाल सकती है

बाँग्लादेश के सेनाध्यक्ष वकार-उज़-ज़मा ने अपनी रूस की यात्रा के दौरान रूस से बाँग्लादेश में और सक्रिय होने व आपसी सहयोग बढ़ाने पर बातचीत की

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मई। बाँग्लादेश की राजनीति हर दिन और भी जटिल होती जा रही है। बाँग्लादेश की सेना द्वारा तख्तापलट करने की संभावना नज़र आ रही है, क्योंकि सेना और अंतरिम सरकार के बीच भारी मतभेद है।

बाँग्लादेश के सेना प्रमुख वकार-उज़-ज़मां ने पिछले सप्ताह मॉस्को का दौरा किया और वहाँ रूस के रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री से मुलाकात की। रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत में सेना प्रमुख ने रूस के साथ अधिक सक्रिय और सार्थक सहयोग की बात की।

इस पृष्ठभूमि में, देश के अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद युनूस चीन चले गए और वहाँ के विदेश मंत्री से मुलाकात की, जिसमें उन्होंने बाँग्लादेश में चीन की भागीदारी और रक्षा क्षेत्र में अधिक सहयोग की माँग की।

अंतरिम सरकार प्रमुख और सेना के बीच जारी संघर्ष स्पष्ट रूप से सामने आ गया है। हालांकि, इसका यह अर्थ नहीं है कि पूरी सेना एकजुट होकर सेना प्रमुख के पीछे खड़ी है। सेना प्रमुख की यह पहल निश्चित रूप से यह संकेत नहीं देती कि पूरी बाँग्लादेशी सेना रूस के साथ सहयोग की इस दिशा में एकमत है। बाँग्लादेशी सेना के भीतर भी गहरे

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- दूसरी और बाँग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया, मो. यूनुस ने अपनी चीन की यात्रा के दौरान चीन को बाँग्लादेश की प्रगति में शरीक होने का आमंत्रण दिया।
- बाँग्लादेश की संपूर्ण सेना, सेनाध्यक्ष के साथ हो, ऐसा नहीं है, सेना में कई धड़े विद्यमान हैं।
- एक धड़ा जो जिहाद व रूढ़ीवादिता का समर्थक है, वो पाकिस्तान के साथ हाथ मिलाने के पक्ष में है। दूसरी ओर सेनाध्यक्ष समर्थक खेमे ने चेतावनी दी है कि मोहम्मद यूनुस का समर्थन करने वाला खेमा बाँग्लादेश में अस्थिरता पैदा कर रहा है, अल्पसंख्यकों को टारगैट करके तथा इससे देश में अशांति व अस्थिरता फैल रही है।
- इसलिए सेना का कहना है कि अगर मो. यूनुस का खेमा अस्थिरता व अशांति पर अंकुश नहीं लगा पाता है तो सेना को सत्ता संभालनी पड़ेगी।
- मो. यूनुस समर्थक खेमा पाकिस्तान की आईएसआई को बाँग्लादेश में ''फ्री एंट्री'' देना चाहता है व चीन से भी मैत्रीपूर्ण सहयोग की बातचीत कर रहा है। दूसरी और सेना समर्थक बाँग्लादेश का तटस्थ व उदार रूप बरकरार रखना चाहते हैं और इसी संदर्भ में सेनाध्यक्ष मॉस्को गये थे।

सुप्रीम कोर्ट ने अशोका युनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबादी को जमानत पर रिहा किया

पर, साथ ही कटाक्ष भी किया कि जब देश युद्ध में फंसा है तथा दुष्ट सड़कों पर घूम रहे हैं, तब हमें संगठित रहना चाहिए या सस्ती लोकप्रियता की फिराक में ''सांप्रदायिक टिप्पणियाँ'' करनी चाहिये

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मई। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अशोका युनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को जमानत दे दी, जिन्हें 18 मई को ऑपरेशन सिंदूर पर विवादास्पद पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जाँच पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। प्रोफेसर को अंतरिम राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत तो दी, पर ऑपरेशन सिंदूर को ''डॉग विसलिंग'' और ''सस्ती लोकप्रियता पाने का प्रयास'' बताने के लिए कड़ी फटकार लगाई।

- सुप्रीम कोर्ट ने प्रोफेसर के खिलाफ जाँच जारी रखने की भी इजाज़त दी तथा प्रोफेसर का पासपोर्ट भी सरकार में जमा कराने का आदेश भी दिया।

कोर्ट ने निर्देश दिए कि वे पहलगाम टैरर अटैक के संबंध में और भारत-पाक शत्रुता को लेकर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते, साथ ही कोर्ट ने उन्हें अपना पासपोर्ट सरैंडर करने का आदेश दिया।

महमूदाबाद को 18 मई को गिरफ्तार किया गया था और हरियाणा की एक अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा था।

उनकी पोस्टको सेना के लिए निंदनीय और महिला सैन्य अफसरों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के लिए उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की मीडिया ब्रीफिंग की थी, के प्रति अपमानजनक माना गया।

मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और एन. कोटिश्वर सिंह की बैंच ने की थी। जस्टिस कांत ने कहा, ''सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है, लेकिन क्या यह समय है, इतनी ज्यादा सांप्रदायिकता पर बात करने का.....? देश एक बड़े संकट से गुजरा है। राक्षसों ने निर्दोषों की जानें लीं। हम सभी एकजुट थे, पर ऐसे मौके पर सस्ती लोकप्रियता पाने की कोशिश क्यों?

अवैध बांग्लादेशी बता कर महिला को हिरासत में लेने का मामला

जयपुर, 21 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने जामडोली थाना इलाके में रहने वाली महिला को कथित रूप से अवैध बांग्लादेशी बताकर उसे हिरासत में लेने के मामले में गृह सचिव, डीजीपी, पुलिस कमिश्नर और जामडोली थानाधिकारी सहित, अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस नरेन्द्र सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने ये आदेश शोएब की

- हाईकोर्ट ने गृहसचिव, डीजीपी, पुलिस कमिश्नर व जामडोली थानाधिकारी से जवाब तलब किया।

ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता एसएस अली ने अदालत को बताया कि गत 5 मई को याचिकाकर्ता के घर कुछ पुलिसकर्मी आए और उसकी मां साजिदा को बिना कारण बताए अपने साथ ले गए। याचिकाकर्ता ने जामडोली थाने में कई बार

(शेष पृष्ठ 5 पर)

पहलगाम की घटना ने हमारे लिये ''वेक अप'' कॉल का काम भी किया

हालांकि, पहलगाम को अंजाम देने वाले आतंकवादी अभी पकड़े नहीं गये हैं, पर, सघन ''इंटैलिजैंस कार्यवाही'' से, ''स्पाय रिंग'' का पर्दाफाश हुआ, जो देश भर में फैली हुई थी तथा जासूस पाकिस्तान में अपने ''हैंडलर्स'' से लगातार सम्पर्क में थे

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 मई। अभी हाल ही में हुई हरियाणा-निवासी एक यूट्यूबर तथा उसके कई सहयोगियों की गिरफ्तारी के बाद, भारत में एक बहुत बड़े जासूसी नैटवर्क के सामने आने से देश की गुप्तचर एजेंसियों की खामियों को लेकर गहन चिन्ता पैदा हो गई है। गुप्तचर एजेंसियों की कार्यक्षमता की यह चूक पहलगाम नरसंहार के बाद ही चर्चा में आ गई थी। ज्ञातव्य है कि पहलगाम में चार अज्ञात हमलावरों ने इस घातक हमले को अंजाम दिया था, लेकिन वे अभी तक इन एजेंसियों की पहुंच से बाहर हैं।

अधिकारियों के अनुसार, विभिन्न राज्यों में संबंधित जासूसी कृत्य से जुड़े 11 लोग गिरफ्तार किये गये हैं। इनमें हिसार-निवासी व्लॉगर ज्योति मल्होत्रा भी शामिल है, जिसके बारे में यह माना

- हिसार की ज्योति मल्होत्रा इस ''रिंग'' की मुखिया की तरह काम कर रही थी तथा ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी ने भारत के ''इंटैलिजैंस'' की आँखे भी खोलीं, क्योंकि इससे पहले इतने बड़े ''स्पाय रिंग'' के सक्रिय होने की जानकारी कभी नहीं मिली, इसीलिए भीड़ में चारों आतंकवादी बाहर निकल गये। अगर पहलगाम की घटना नहीं होती तो हमारी ''इंटैलिजैंस'' एजेंसियां अपने निवास में आराम से सोती रहती और ''स्पाय रिंग'' निर्बाध रूप से दस साल और चलती रहती।

जा रहा है कि संवेदनशील सूचनाएं जुटाने तथा उन्हें पाकिस्तान स्थित हैन्डलर्स तक पहुंचाने में उसकी केन्द्रीय भूमिका थी। मल्होत्रा, जो इस समय पुलिस कस्टडी में है, को उन सभी स्थानों पर ले जाया जा रहा है, जहां वह पिछले वर्ष में गई थी। ऐसा संदेह है कि इन स्थानों पर उसने विदेशी संचालकों एवं आकाओं के निर्देशानुसार, विभिन्न प्रकार के सर्वे किये हैं तथा सैन्य जासूसी की है।

गृह मंत्रालय ने इस कार्यवाही को खुफिया गतिविधियों के विफल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता बताया है। लेकिन सुरक्षा विशेषज्ञ एवं पुराने अधिकारी इससे कम ही सहमत हैं। उनका कहना है कि इस जासूसी नैटवर्क का भण्डाफोड़ वस्तुतः गहरे तन्त्रगत मुद्दों एवं दोषों की ओर संकेत करता है, खासतौर से इस बात की विफलता, कि पहलगाम हत्याकांड को समय रहते रोका क्यों नहीं गया, क्योंकि उसके समय रहते पता चलने से और ज्यादा आक्रामक काउन्टरइन्टेलिजेंस रेस्पॉन्स दिया जा सकता था।

एक सेवानिवृत वरिष्ठ गुप्तचर अधिकारी ने, नाम न छापने की शर्त पर, कहा, ''अगर पहलगाम की घटना न हुई होती, तो यह नैटवर्क कई महीनों, बल्कि सालों तक हमारी नजरों में नहीं आया होता। इस घटना ने एक उत्प्रेरक (कैटलिस्ट) काम किया है। लेकिन इससे यह भी उजागर हो गया कि हम किस हद तक गैर-मुस्तैद थे।

पहलगाम की घटना में लिप्त चार हमलावरों की पहचान तथा गिरफ्तारी न

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बाटा ने कैरी बैग के 6 रु. वसूले, 61 हजार का जुर्माना भरना पड़ा

जयपुर, 21 मई। जिला उपभोक्ता आयोग, तृतीय ने ग्राहक को जूतों के साथ कंपनी का नाम लिखा कैरी बैग देने के बदले 6 रुपए वसूलने को अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस व सेवादोष माना है। इसके साथ ही, आयोग ने बाटा इंडिया पर 61 हजार रुपए हर्जाना लगाते हुए उसे निर्देश दिया है कि वह परिवादी से कैरी बैग के लिए वसूले 6 रुपए 9 प्रतिशत ब्याज

- जिला उपभोक्ता आयोग ने कहा, कैरी बैग पर बाटा का विज्ञापन है, इसलिए वह निःशुल्क होना चाहिए।

सहित लौटाए। आयोग के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर व सदस्य पवन कुमार भारद्वाज ने यह आदेश नीना पारीक के परिवाद पर दिए। आयोग ने कहा कि कैरी बैग पर बाटा का विज्ञापन था और ऐसे में वह निशुल्क होना चाहिए था।

मामले के अनुसार परिवादी ने 27 फरवरी, 2024 को विपक्षी के शू स्टोर से एक जोड़ी जूता व एक जोड़ी स्लीपर 4698 रुपए में खरीदे, लेकिन विपक्षी

(शेष पृष्ठ 5 पर)

ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री आज बीकानेर में

प्रधानमंत्री करणी माता के दर्शन, रेलवे स्टेशनों व सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन व जनता को संबोधित करेंगे

बीकानेर, (कासं) 21 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरूवार को बीकानेर आयेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री का राजस्थान का यह पहला दौरा है। कहा जा रहा है कि मोदी नाल एयरबेस पर एयरफोर्स के जवानों से भी मुलाकात कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री देशनोक में करणी माता के दर्शन करेंगे और देशनोक में ही आधुनिक रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। वे पलाना (देशनोक) में सभा को संबोधित करेंगे। मोदी के स्वागत के लिए सड़कों पर बैनर और होर्डिंग लगाये गए हैं। राजस्थान के चीफ सैक्रेटरी सुधांश पंत ने बुधवार को पलाना में सभा स्थल का जायज़ा लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि राजस्थान के अपने दौरे में कई और परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास का भी अवसर मिलेगा। इनमें अनेक सड़क परियोजनाएं भी शामिल हैं। इनसे, जहां, आवाजाही की सुविधाएं बढ़ेंगी। वहीं, सीमावर्ती क्षेत्रों में हमारे डिफैंस इंफ्रास्ट्रक्चर को भी और मजबूती मिलेगी।

- बीकानेर के लोगों व जनता में जोश का माहौल, सड़कों पर मोदी के होर्डिंग व स्लोगन लगे हैं।
- राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केन्द्रीय रेल तथा कानून मंत्री एवं राजस्थान के अनेक मंत्री बीकानेर पहुंचे। सभा स्थल पर एक लाख लोगों के बैठने की व्यवस्था। तेज गर्मी के कारण 50 बैड का अस्थायी अस्पताल बनाया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज बीकानेर आयेंगे। यहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ देशनोक में करणी माता के दर्शन करेंगे और देशनोक में ही आधुनिक रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे तथा पलाना (देशनोक) में सभा को संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी विशेष विमान से नाल एयरबेस पहुंचेंगे। यहां उनके स्वागत के लिए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल मौजूद रहेंगे। देशनोक में करणी माता के दर्शन के बाद प्रधानमंत्री मोदी देशनोक रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। यहां, अमृत भारत योजना में देशनोक रेलवे स्टेशन, बूंदी, मांडलगढ़ और गोगामेड़ी स्टेशनों के अलावा देशभर के कई स्टेशनों का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी भी दिखायेंगे।

इसके बाद मोदी पलाना (देशनोक) में सभा को संबोधित करेंगे। 26,000 करोड़ से अधिक की लागत वाले प्रोजेक्ट का शिलान्यास-उद्घाटन करेंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव नई दिल्ली से विशेष ट्रेन से बुधवार रात 9:10 बजे बीकानेर पहुंचेंगे और वहाँ से देशनोक जायेंगे तथा व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने दुश्मनों के मंसूबों को फेल कर दिया था। ऐसे में मोदी के दौरे

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विधायक कंवर लाल मीणा ने मनोहर थाना कोर्ट में सरैन्डर किया

जयपुर, 21 मई। भाजपा के अंता विधायक कंवरलाल मीणा ने करीब एक माह से जारी लंबी जद्दोजहद के बाद, आखिरकार बुधवार को मनोहर थाना कोर्ट में सरेंडर कर दिया। सरेंडर से पूर्व कंवर लाल मीणा ने प्रसिद्ध तीर्थ कामखेड़ा बालाजी मंदिर के दर्शन किए और बालाजी का आशीर्वाद लिया। विधायक मीणा को सुप्रीम कोर्ट ने

- सुप्रीम कोर्ट ने मीणा की याचिका खारिज कर दो सप्ताह में कोर्ट में सरैन्डर करने का आदेश दिया था।

उनकी लगाई याचिका खारिज होने के बाद, दो सप्ताह के भीतर कोर्ट में सरेंडर करने के आदेश जारी किए थे।

गौरतलब है कि विधायक कंवरलाल मीणा पर 20 वर्ष पूर्व चुनाव अधिकारी पर पिस्टल तानकर धमकाने, राजकार्य में बाधा पहुंचाने का आरोप लगा था। इसके बाद एडीजे कोर्ट अकलेरा की ओर से विधायक मीणा को

(शेष पृष्ठ 5 पर)

एक लाख का इनामी गैंगस्टर राजवीर उर्फ लारा रेवाड़ी से गिरफ्तार

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने गैंगस्टर राजवीर गुर्जर उर्फ लारा निवासी खैरोली थाना महेंद्रगढ़ (हरियाणा) को रेवाड़ी से गिरफ्तार किया

- बहरोड थाने पर फायरिंग कर कुख्यात गैंगस्टर पपला गुर्जर को छुड़ाकर ले जाने का है आरोपी
- गैंगस्टर पपला गुर्जर के गांव का ही रहने वाला है राजवीर उर्फ लारा, करीब छह साल से फरार चल रहा था
- गैंगस्टर राजवीर के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एके 56 रायफल मय डबल मैग्जीन व सात जिन्दा कारतूस बरामद किये

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने बड़ी कार्रवाई कर 5 साल 8 महीने पहले थाना बहरोड पर एके-47 एवं अन्य अत्याधुनिक हथियारों से हमला कर हवालात में बंद कुख्यात गैंगस्टर विक्रम गुर्जर उर्फ पपला को भगाने के मामले में फरार चल रहे साथी गैंगस्टर राजवीर गुर्जर उर्फ लारा (32) निवासी खैरोली थाना महेंद्रगढ़ (हरियाणा) को रेवाड़ी से गिरफ्तार कर लिया है। इनामी गैंगस्टर राजवीर उर्फ लारा की गिरफ्तारी पर पुलिस मुख्यालय से एक लाख रुपये का इनाम घोषित है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि 5-6 सितम्बर 2019 की रात हरियाणा के कुख्यात गैंगस्टर विक्रम गुर्जर उर्फ पपला निवासी खैरोली जिला महेन्द्रगढ़ को भिवाड़ी जिले की बहरोड़ थाना पुलिस ने एक स्कॉर्पियो एवं 31.90 लाख रुपए नगद सहित गिरफ्तार किया था। अगले दिन गैंगस्टर राजवीर गुर्जर उर्फ लारा सहित अन्य 30 से अधिक बदमाश एके-47 एवं अन्य अत्याधुनिक हथियारों के साथ बहरोड़ थाने पर हमला कर हवालात में बंद पपला गुर्जर को छुड़ाकर भगा ले गए थे। एडीजी एमएन ने बताया कि इस घटना के 17 महीने बाद 27-28 जनवरी 2021 को भिवाड़ी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के नेतृत्व में ईआरटी के कमांडो की टीम द्वारा विक्रम गुर्जर उर्फ पपला को उसकी महिला मित्र जिया के साथ महाराष्ट्र के कोल्हापुर से गिरफ्तार किया गया। मामले में पुलिस अब तक 32 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी गैंगस्टर राजवीर गुर्जर उर्फ लारा घटना के वक्त से ही फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी के लिए उनके कार्यालय से एक लाख के इनाम की घोषणा की गई।

एमएन ने बताया कि फरार इनामी गैंगस्टर राजवीर की तलाश व गिरफ्तारी के लिए उप महानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव के समन्वय व एजीटीएफ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्वान्त शर्मा के सुपरविजन एवं उप अधीक्षक पुलिस फूलचन्द टेलर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। आरोपी राजवीर की तलाश एवं धरपकड़ को एजीटीएफ ने "ऑपरेशन लारा" नाम दिया। इनामी बदमाश राजवीर बचपन में क्रिकेट का अच्छा खिलाडी था, इस कारण गांव में राजवीर को लारा नाम से पुकारते थे।

राजवीर की तलाश के प्रयासों के दौरान सामने आया कि आरोपी अपने पास ना तो मोबाइल रखता था और ना ही सोशल मीडिया का उपयोग करता था। ऑपरेशन लारा के दौरान एजीटीएफ द्वारा मुखबिर तंत्र मजबूत किया जाकर जमीनी स्तर पर कार्य कर गैंगस्टर राजवीर को रेवाडी हरियाणा से पकड़ा। इस कार्य को अंजाम देने के लिए भिवाड़ी हाल एजीटीएफ के कांस्टेबल सुधीर कुमार को लगाया गया था।

गैंगस्टर राजवीर ने गत 6 वर्षों के दौरान लगभग 18-20 राज्यों विजय नगर कर्नाटक, कोल्हापुर, नासिक महाराष्ट्र, गोवा, प्रयागराज उत्तर प्रदेश, हरियाणा व दिल्ली के विभिन्न जिलों में अपनी पहचान छुपाते हुए फरारी काटी है। इस दौरान इसने अनेक बार भेष बदला व दक्षिणी भारत में विभिन्न अखाड़ों में रहा ताकि पुलिस को चकमा दिया जा सके। अधिकतर समय बसों व ट्रेनों में लम्बी-लम्बी यात्राएं अलग-अलग नामों से की। किसी भी स्थान पर लम्बे समय तक नहीं रहा। आरोपी गैंगस्टर राजवीर उर्फ लारा गंभीर प्रवृति के अपराध करने का आदी रहा है। इसके खिलाफ हरियाणा के महेन्द्रगढ़ में पूर्व से हत्या व मारपीट के प्रकरण दर्ज है, जिसमें हत्या के प्रकरण में जमानत पर चल रहा है।

इनामी गैंगस्टर राजवीर उर्फ लारा की तलाश एवं गिरफ्तारी करने वाली एजीटीएफ टीम में डीएसपी फूल चन्द, एसआई कमलेश चौधरी, एएसआई शैलेन्द्र शर्मा, हैड कांस्टेबल राम अवतार, कांस्टेबल बृजेश शर्मा, लोकेश कुमार निर्वाण एवं सुधीर कुमार शामिल थे। कांस्टेबल सुधीर कुमार की मुल्जिम राजवीर की गिरफ्तारी व एके -56 रायफल की बरामदगी में अहम योगदान रहा।

स्मैक तस्कर को तीन साल का कठोर कारावास

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश एनडीपीएस प्रकरण जगदीश प्रसाद शर्मा ने स्मैक तस्करी के मामले में आरोपी को 3 साल के कठोर कारावास और 30 हजार के जुर्माने से दंडित किया है।

- कोर्ट ने 30 हजार के जुर्माने से भी दंडित किया

विशिष्ट लोक अभियोजक रामस्वरूप गुर्जर ने बताया कि तत्कालीन बीगोद थाना प्रभारी आईपीएस प्रोबेशनर मृदुल कच्छावा ने 19 अप्रैल 2017 को सिंगपुरा-बड़लियास रोड पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान सिंगपुरा की ओर से आई एक बाइक को चालक ने पुलिस को देखकर पुन: उसी दिशा में घूमाने का प्रयास किया। संदेह के आधार पर पुलिस ने बाइक को रुकवाकर चालक से पूछताछ की तो उसने खुद को जीवा का खेड़ा निवासी दयाल पुत्र चतर बंजारा बताया। पुलिस ने तलाशी ली तो दयाल के पास 30 ग्राम स्मैक मिली। पुलिस ने बाइक जब्त कर दयाल को गिरफ्तार किया। अनुसंधान के बाद आरोपित दयाल के खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट पेश की। न्यायालय में ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से विशिष्ट लोक अभियोजक गुर्जर ने 8 गवाह और 43 दस्तावेज पेश कर दयाल पर लगे आरोप सिद्ध करवाये। न्यायालय ने सुनवाई पूरी होने पर आरोपित दयाल को सजा सुनाई।

सैन्य अधिकारी के घर चोरी

बीकानेर, (निसं)। कैप्टन अंकित लठवाल की पत्नी अदिति ढ़ाका ने सदर थाने में रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वह अपने पति कैप्टन अंकित लठवाल के साथ 16 अप्रैल को नासिक गए थे। इस दौरान लांस नायक बलजिंदर सिह घर की देखभाल करते थे। बलजिंदर सिह ने 11 मई को क्वार्टर संभाला तो सही सलामत था। 17 मई को बलजिंदर ने वीडियो कॉल करके बताया कि क्वार्टर में चोरी हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अज्ञात चोर 40 ग्राम सोने के कड़े, 24.65 ग्राम सोने का ब्रेस्लेट, 15.92 ग्राम सोने की चेन, 4.5 ग्राम सोने के लॉकेट, 33.29 ग्राम सोने की नैकलेस, 2 जोड़ी कानों के टॉप्स, अंगूठी सहित अन्य जेवरात चोरी हो गए।

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्
डॉ. राधाकृष्णन् शिक्षा संकुल, राजीव गांधी विद्या भवन, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302017
क्रमांक :- प.6/रास्कूलशिप/जय/संस्था/बा.शि./केजीबीवी-साक्षात्कार/2024-25/राजकाज 15332008 दिनांक :- 16/05/2025
साक्षात्कार सूचना
समग्र शिक्षा अभियान अन्तर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों/नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालयों में राजकीय शिक्षिकाओं/शिक्षक/वार्डन के रिक्त पदों पर प्रतिनियुक्ति/पदस्थापन हेतु स्थगित किये गये ऑनलाइन साक्षात्कार दिनांक 26.05.2025 से 06.06.2025 तक आयोजित किये जायेंगे।
राज.संवाद/सी/25/2732 उपायुक्त (बालिका शिक्षा)

Municipal Council Dholpur
No. – 12229-31 Date- 20.05.2025
Notice Inviting Tender
N.I.T. is invited on behalf of Governor of Rajasthan by Municipal Council Dholpur for diesel generator fixing work from Registered Contractor the amount of work is 11.88 lacs and UBN No. are has under.
UBN No- DLB2526WSOB05348
For detail visit www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in
Commissioner
Raj.Samwad/C/25/2710 Municipal Council Dholpur

कार्यालय नगर निगम जोधपुर-दक्षिण
क्रमांकः- एफ.10/SS-IV/2024-25/4572 दिनांकः- 20.05.2025
:: ई-निविदा सूचना ::
(UB NO. DLB2526WSOB05360)
नगर निगम जोधपुर-दक्षिण की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।
महापौर आयुक्त
नगर निगम जोधपुर-दक्षिण नगर निगम जोधपुर-दक्षिण
राज.संवाद/सी/25/2739

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION DHOLPUR
File No. 218-21 Date 07.04.2025
Notice Inviting Bid
NIB code PWD2526A0460 and UBN is: PWD2526WSOB01386
NIB code PWD2526A0460 and UBN is: PWD2526WSOB01387
NIB code PWD2526A0460 and UBN is: PWD2526WSOB01388
NIB code PWD2526A0460 and UBN is: PWD2526WSOB01389
Bids For NIT No. 01/2025-26 Misc. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 09.05.2025 11.00 AM to Date 30.05.2025 upto 6.00 Noon. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 30.72 Lacs
(Saurabh Sharma)
Executive Engineer
DIPR/C/6230/2025 PWD Division Dholpur

राज. बोर्ड : 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम आज आयेगा

- एक साथ जारी होंगे साइंस, कॉमर्स व आर्ट्स के परिणाम
- शाम पांच बजे जारी होगा परिणाम, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर वीसी के जरिए जुड़ेंगे

अजमेर, (निसं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम गुरुवार को घोषित किया जाएगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर वीसी के जरिए जुड़ेंगे। बोर्ड प्रशासक और संभागीय आयुक्त महेश चंद्र शर्मा गुरुवार शाम पांच बजे परिणाम जारी करेंगे।

बोर्ड के सचिव कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि साइंस, कॉमर्स व आर्ट्स संकायों का रिजल्ट एक साथ जारी किया जाएगा। इस साल कुल 8 लाख 93 हजार 616 स्टूडेंट परीक्षा के लिए पंजीकृत थे। इनमें से साइंस में 2 लाख 73 हजार 984, कॉमर्स में 28 हजार 250 आर्ट्स में 5 लाख 87 हजार 475 और वरिष्ठ उपाध्याय में 3907 छात्र पंजीकृत थे। 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं 6 मार्च से शुरू हुई थी। रिजल्ट की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

उन्होंने बताया कि स्टूडेंट अपना परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकेंगे। पिछले साल की भांति इस साल भी तीनों संकायों का परिणाम एक साथ जारी किया जा रहा है। शर्मा ने बताया कि बोर्ड की ओर से दसवीं कक्षा का परिणाम भी शीघ्र ही घोषित किया जाएगा। इसकी तिथि की घोषणा जल्द की जाएगी।

पॉक्सो के आरोपी कैदी ने सेवर जेल में फांसी लगाई, मौत

- पॉक्सो एक्ट में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था कैदी
- कुछ दिनों पहले ही आरबीएम अस्पताल के जेल वार्ड से फरार हो गया था

भरतपुर, (निसं)। सेवर स्थित सेंट्रल जेल में एक कैदी ने हाई सिक्योरिटी बैरक में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक कैदी पोक्सो मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। कुछ दिनों पहले ही वह आरबीएम अस्पताल के जेल वार्ड से फरार हो गया था, जिसके बाद करौली पुलिस ने उसे भरतपुर पुलिस को सौंप दिया था। कैदी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया था। जेल प्रशासन को सूचना मिलने पर शव को कब्जे में लेकर आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

सेवर थाना अधिकारी धर्म सिंह ने बताया कि सेवर जेल के जेलर मुकेश मीणा ने बताया था कि राजवीर पुत्र बलराम ने फांसी लगा ली है। मृतक जेल की बैरक नंबर 5 में था। इसमें दूसरा कैदी था वह सो रहा था। पुलिस की टीम ने कैदी के शव को नीचे उतारा। फिलहाल उसके शव को आरबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया है। राजवीर पुत्र बलराम को करौली पॉक्सो कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई हुई थी। 5 मई को बलराम आरबीएम अस्पताल के जेल वार्ड से फरार हो गया था। 19 मई को पुलिस ने इसे पकड़कर कल जेल भेजा था। कैदी ने रोशनदान में साफी को फांसी का फंदा बनाकर फांसी लगाई है। आरोपी बलराम (35) को 3 मई को आरबीएम अस्पताल के जेल वार्ड में एडमिट किया गया था। उसकी तबियत ख़राब थी। 5 मई को बलराम आरबीएम अस्पताल के जेल वार्ड से फरार हो गया। 19 मई को बलराम करौली पुलिस ने पकड़कर भरतपुर पुलिस को सौंप दिया। जिसके बाद कल उसे कोर्ट में पेश किया गया। कल भरतपुर कोर्ट ने बलराम को वापस सेवर जेल भेज दिया। आज उसने बैरेक नंबर पांच में रोशनदान से लटककर फांसी लगा ली।

दुष्कर्म के आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा : बीकानेर में पुलिस ने एक फैक्टरी में काम करने वाले श्रमिक परिवार की 10 साल की बच्ची दुष्कर्म के आरोपी दो अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। फैक्टरी में काम करने वाले श्रमिक परिवार की 10 साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया था। मुक्ताप्रसाद पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज होने पर पुलिस ने पीड़िता के पड़ोस में रहने वाले पश्चिम बंगाल निवासी नरेश प्रधान और रिंकू बर्मन को गिरफ्तार किया था। मामले की जांच कर रहे सीओ सिटी श्रवणदास संत ने दोनों अभियुक्तों को कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-करौली
क्रमांक-448-468 दिनांक-07/5/25
ई-निविदा सूचना संख्या-02/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की और से विभिन्न कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो / केन्द्रीय लोक निर्माण/ डाक एवं दुर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदको जो कि राज्य सरकार के एए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओ से संबंधित विवरण बेवसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB CODE-PWD2526A0459
UBN No.- 1. PWD2526WSOB01382, 2. PWD2526WSOB01383
3. PWD2526WSOB01384, 4. PWD2526WSOB01385 अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/6240/2025 सा. नि. वि. खण्ड करौली

कार्यालय नगर परिषद बून्दी
क्रमांकः- 1145 दिनांकः- 20.05.2025
-:: निविदा सूचना ::-
नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: निर्माण/2025-26/1113 दिनांक 19/05/2025 की निविदा दिनांक 19/05/2025 से दिनांक 30/05/2025 शायः 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 02/06/2025 को 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 02/06/2025 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/ eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526WSOB05259, DLB2526WSOB05250, DLB2526WSOB05252, DLB2526WSOB05268, DLB2526WSOB05253, DLB2526WSOB05251, DLB2526WSOB05255, DLB2526WSOB05258, DLB2526WSOB05273, DLB2526WSOB05248, DLB2526WSOB05267, DLB2526WSOB05254, DLB2526WSOB05270, DLB2526WSOB05262, DLB2526WSOB05271, तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।
आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/2720 नगर परिषद, बून्दी

बाइक चोरी का आरोपी गिरफ्तार

निवाई, (निसं)। निवाई थाना पुलिस ने मोटरसाइकिलें चोर करने के मास्टर माईंड शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अब तक करीब डेढ दर्जन मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि परिवादी राजेश मीणा पुत्र जगदीशप्रसाद मीणा ने मामला दर्ज करवाया था कि वर्धमान डेंटल हॉस्पीटल के पास से कोई अज्ञात चोर उसकी मोटरसाइकिल को चुराकर ले गया। पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए टीम का गठन किया। मोटरसाइकिल चोरी की वारदात का खुलासा करने हेतु अलग-अलग जगह टास्क देकर टीमों द्वारा आरोपी नन्दलाल उर्फ नन्दा पुत्र हरचन्द कुमावत निवासी कुमावतों का नयागांव पुलिस थाना केकड़ी शहर जिला अजमेर से दबिश देकर गिरफ्तार किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत के मामले में प्रदर्शन जारी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र स्थित कृष्णा हॉस्पिटल में मंगलवार को संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत के मामले में 24 घंटे बाद भी बुधवार को प्रदर्शन खत्म नहीं हुआ है। परिजनों ने पुलिस पर जबरन मृतका के शव का पोस्टमार्टम करने का आरोप लगाते हुए एमजी हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

जानकारी के अनुसार कृष्णा हॉस्पिटल में रायपुर तहसील के केसरपुरा गांव की रहने वाली सुखी देवी पत्नी जमुनालाल बैरवा को बच्चेदानी के ऑपरेशन के लिए गत दिनों भर्ती करवाया गया था, जहां मंगलवार को अचानक उसकी ऑपरेशन के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा खड़ा कर दिया और दोषी चिकित्सा कर्मियों पर कार्रवाई की मांग और मुआवजे को लेकर परिजनों में प्रदर्शन किया। हंगामा शांत करने के लिए पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने समझाइश की, लेकिन कल जब देर शाम तक भी बात नहीं बनी तो पुलिस ने जबरन मृतका के शव का एमजी हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द करने की कोशिश की, लेकिन परिजनों ने शव उठाने से इनकार कर दिया। वहीं बुधवार को सवेरे 8 बजे से ही परिजन एमजी हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर जमा हो गए और बड़ी संख्या में समाज के लोगों की मौजूदगी हॉस्पिटल मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। आरोप है कि पुलिस ने जबरन मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाया है, जबकि परिजनों की सहमति नहीं थी। परिजनों ने दोषी चिकित्सकों पर कार्रवाई और उचित मुआवजा देने की मांग करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया, फिलहाल आक्रोशित समाज के लोग और परिजनों का प्रदर्शन एमजी हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर जारी है। 24 घंटे से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी मामले में अब तक भी परिजनों को न्याय नहीं मिल पाया है। वहीं अस्पताल प्रशासन का तर्क है कि महिला की मौत अटैक से हुई है ना कि अस्पताल की लापरवाही से। हालांकि यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि महिला की मौत किन कारणों से हुई।

बीकानेर को एक और नई ट्रेन मिलेगी

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर को मुंबई के लिए एक नई ट्रेन की सौगात मिलने वाली है। 21903/21904 नंबर की यह ट्रेन मुंबई के बांद्रा टर्मिनस और बीकानेर के बीच चलेगी। इस ट्रेन की सेवा साप्ताहिक होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को देशनोक रेलवे स्टेशन से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

रेलवे बोर्ड के आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस नई साप्ताहिक ट्रेन के संबंध में अधिसूचना रेलवे बोर्ड द्वारा जारी कर दी गई है। 22 मई को पीएम मोदी इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उसके बाद इस ट्रेन की नियमित सेवा प्रारंभ होगी। गाड़ी संख्या 21903 अप प्रत्येक सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से रात्रि 23:25 बजे रवाना होगी।

युवकों ने नाबालिग से दुष्कर्म किया

नोखा, (निसं)। यहां एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने नोखा थाने में दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

पीड़िता ने बताया कि मई 2024 में वह दुकान जा रही थी। राजकीय स्कूल के पास उसके गांव का एक युवक और उसका साथी मिले। गांव के युवक ने उसे गर्मियों की छुट्टियों के दौरान स्कूल के बरामदे में बैठकर बात करने को कहा। पीड़िता के मना करने पर दोनों युवक उसे जबरन स्कूल के शौचालय में ले गए। वहां दोनों ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उसे चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान एक आरोपी ने घटना का वीडियो बना लिया। आरोपियों ने पीड़िता को वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार प्रताड़ित किया। उन्होंने उसे अन्य जगहों पर बुलाने का दबाव बनाया। मना करने पर उन्होंने कथित अश्लील वीडियो वायरल कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने बताया कि वह इस घटना के बाद से मानसिक तनाव में है।

- वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया, मामला दर्ज, घटना के बाद से पीड़िता मानसिक तनाव में

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)
Phone No- (07459) 220016 Email-mbramganjmandi@rajasthan.gov.in
क्रमांक : न.पा.रा./2025/829-31 दिनांक 20.05.2025
ई-निविदा सूचना 01/2025-26
नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई-निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 20.05.2025 से 05.06.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 20.05.2025 से 05.06.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि 06.06.2025 समय दोपहर : 02.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 06.06.2025 को दोपहर 03:00 बजे तक रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
NIB –DLB2526A1527 UBN - DLB2526GSOB05335
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/2703 नगरपालिका रामगंजमण्डी

कार्यालय नगरपरिषद डूँगरपुर (राज.)
Tel.:-02964&232459, फैक्स :- 02964-233690, Email Id :- npd.dpr@gmail.com
क्रमांकः- स्टोर/न.प.डूँ/2025-26/679 दिनांक :-14.05.2025
निविदा सूचना संख्या 05/2025-26
नगरपरिषद् डूँगरपुर के ओर से कार्य के अनुभवी एवं स्थानीय व्यवसायीयों से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया हेतु ऑनलाईन निविदाए आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबधित विवरण इन्टरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in/www.sppp.raj.gov.in पर उपलब्ध है।

कुल निविदा के कार्य	:	1 कार्य
निविदा की लागत	:	11.00 लाख
कुल धरोहर राशि	:	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत 22000/-
ऑन लाईन निविदा फार्म मिलने की तारीख	:	14.05.2025 प्रातः 11.00 बजे से 27.05.2025 सांय 6.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा फार्म जमा कराने की तारीख	:	14.05.2025 प्रातः 11.00 बजे से 27.05.2025 सांय 6.00 बजे तक
कार्यालय में डी.डी.जमा कराने की तारीख	:	28.05.2025 दोपहर 2.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तारीख	:	29.05.2025 प्रातः 11.00 बजे से

UBN NO. DLB2526SLOB04692
सभापति आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/2717 नगरपरिषद डूँगरपुर (राज.) नगरपरिषद डूँगरपुर (राज.)

लोगों को मारकर मगरमच्छ को खिलाने वाले डॉक्टर डेथ को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया

आरोपी को दिल्ली पुलिस ने जाल बिछाकर दौसा जिले के ग्राम गुढाकटला में स्थित रामेश्वर धाम आश्रम से गिरफ्तार किया

- डॉक्टर डेथ रामेश्वर धाम आश्रम में पुजारी का भेष बनाकर रह रहा था तथा खुद का नाम संत दयादास बताता था
- गिरफ्तारी से पूर्व दिल्ली पुलिस ने आश्रम की रैकी की तथा दवा लेने के बहाने डॉक्टर डेथ को गिरफ्तार किया

दौसा, (निसं)। लोगों को मारकर मगरमच्छ को खिलाने वाले डॉक्टर डेथ को दिल्ली पुलिस ने जाल बिछाकर दौसा जिले के ग्राम गुढाकटला में स्थित रामेश्वर धाम आश्रम से गिरफ्तार कर लिया। डॉक्टर डेथ रामेश्वर धाम आश्रम में पुजारी का भेष बनाकर रह रहा था तथा खुद का नाम संत दयादास बताता था। गिरफ्तारी से पूर्व दिल्ली पुलिस ने आश्रम की रैकी की तथा दवा लेने के बहाने डॉक्टर डेथ को गिरफ्तार किया।

आयुर्वेदिक डॉक्टर से सीरियल किलर बना देवेंद्र शर्मा (67) पिछले साल पैरोल पर छूटने के बाद से फरार था। शर्मा के खिलाफ कई लोगों की हत्या का मामला दर्ज है। उसे दिल्ली, राजस्थान और हरियाणा में सात अलग-अलग मामलों में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और गुरुग्राम की एक अदालत ने उसे मृत्युदंड भी दिया था। पुलिस को संदेह है कि वह 50 से ज्यादा हत्याओं के मामलों में संलिप्त है। सूत्रों ने बताया कि 2002 से 2004 के बीच कई टैक्सी और ट्रक चालकों की नृशंस हत्याओं के लिए तिहाड़ जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। वह अगस्त 2023 में पैरोल पर बाहर आया था। बताया जाता है कि शर्मा और उसके साथी ड्राइवरों को फर्जी यात्रा के लिए बुलाते थे, उनकी हत्या करते थे और उनके वाहनों को ब्लैक मार्केट में बेच देते थे। इसके बाद सभी सबूत मिटाने के लिए शवों को उत्तर प्रदेश के कासगंज में हजारा नहर के मगरमच्छों से भरे पानी में फेंक दिया जाता था।

सूत्रों ने बताया कि शर्मा का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है, जिसमें हत्या, अपहरण और डकैती के कम से कम 27 मामले शामिल हैं। वह पहली बार 1995 से 2004 के बीच अवैध गुर्दा प्रतिरोपण रैकेट चलाने के लिए कुख्यात हुआ था। बीएएमएस (आयुर्वेदिक चिकित्सा और सर्जरी में स्नातक) डिग्रीधारक शर्मा ने 1984 में राजस्थान में एक क्लिनिक खोला था। उसने पुलिस के सामने कई राज्यों में डॉक्टरों और बिचौलियों की मदद से 125 से अधिक अवैध प्रतिरोपण कराने की बात कबूल की थी। सूत्रों ने बताया कि 1995 से 2004 के बीच उसने एक गिरोह बनाया जो कथित तौर पर एलपीजी सिलेंडर ले जा रहे ट्रकों को रोकता था, चालकों को मारता था और खेप चुरा लेता था। उसने टैक्सी चालकों की लक्षित हत्याएं भी कीं। सूत्रों ने बताया कि उसका गिरोह ट्रक को कबाड़ के तौर पर बाजार में बेच देता था। इस दौरान शर्मा पर दो दर्जन से ज़्यादा लोगों की हत्या करने का संदेह है। वह एक गिरोह का भी हिस्सा था और कथित तौर पर हर मामले के लिए सात लाख रुपये वसूल करता था।

शर्मा को गुर्दा गिरोह और सिलसिलेवार हत्याओं के संबंध में 2004 में गिरफ्तार किया गया था। शर्मा तिहाड़ जेल में अपनी सजा काट रहा था और अगस्त 2023 में पैरोल पर रिहा होने के बाद से फरार था। अपराध शाखा को उसकी तलाश का काम सौंपा गया था। अलीगढ़, जयपुर, दिल्ली, आगरा और प्रयागराज सहित कई शहरों में छह महीने तक चले अभियान के बाद टीम ने उसके दौसा के ग्राम गुढाकटला धाम आश्रम में होने का पता लगाया, जहां वह झूठी पहचान के साथ आध्यात्मिक व्यक्ति के रूप में रह रहा था। यह पहली बार नहीं है जब शर्मा पैरोल पर छूटने के बाद फरार हुआ था। उसे 28 जनवरी, 2020 को 20 दिन की पैरोल दी गई थी, लेकिन जुलाई में अपराध शाखा द्वारा दिल्ली से गिरफ्तार किए जाने से पहले वह सात महीने तक फरार रहा था।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि डॉक्टर डेथ की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने गुढाकटला के आसपास अपना डेरा जमा लिया, गिरफ्तारी से पूर्व दिल्ली पुलिस ने आसपास की रैकी की तथा मरीज बनकर दवा लेने पहुंच गए। दवा देते वक्त डॉक्टर डेथ को गिरफ्तार कर लिया। डॉक्टर डेथ ने 7 हजार रुपये में मकान किराए पर ले रखा था, जिसने वृद्ध आश्रम खोलकर अपने मंसूबों को अंजाम देने की योजना बना रहा था। आश्रम में ऐशो आराम की जिंदगी जीने के लिए एसी-कूलर लगा रखे थे। संत दयादास के नाम से रहता था। 2002 के आसपास बांदीकुई के गुढाकटला रोड़ पर जनता क्लिनिक खोल रहा था। पहली गिरफ्तारी बांदीकुई से दो हत्याओं के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)
क्रमांक :- कृ.उ.म.स./सुविधा/2025-26/94-106 दिनांक :- 14/05/2025
कृषि उपज मण्डी समिति श्रीडूंगरगढ़ द्वारा निम्नांकित व्यवस्थाओं/सेवाओं के संचालन के लिए उपापन ठेका पद्धति द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुभवी फर्मों/ठेकेदारों/सदभावी व्यवहारियों से मोहरबन्द बोली आमंत्रित की जाती है। निम्न सारणी में वर्णित कार्यों की निविदा/ बोली आमंत्रण सम्बन्धित विवरण एवं शर्तों का http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	कार्य/व्यवस्था का विवरण	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि (रु. में)	निविदा शुल्क (रु. में)	निविदा प्रपत्र बेचने की अन्तिम दिनांक व समय	निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की दिनांक व समय	प्राप्त निविदाएँ खोलने की दिनांक व समय
1.	मुख्य मण्डी प्रांगण में विद्युत व्यवस्था UBN (DAM2526SSOB00106)	3.00	6000/-	500/-	27.05.2025 दोपहर 1200 बजे तक	27.05.2025 सांय 5.00 बजे तक	28.05.2025 दोपहर 2.00 बजे
2.	मुख्य मण्डी प्रांगण में चौकीदारी संचालन UBN (DAM2526SSOB00107)	9.80	19600/-	500/-			
3.	मुख्य मण्डी प्रांगण में प्याऊ संचालन UBN (DAM2526SSOB00108)	2.50	5000/-	500/-			
4.	मुख्य मण्डी प्रांगण में सफाई व्यवस्था UBN (DAM2526SSOB00109)	9.80	19600/-	500/-			
5.	मुख्य मण्डी प्रांगण हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर ठेका UBN (DAM2526SSRC00105)	9.50	19000/	500/-			
6.	कियोस्क संख्या 01 व 02 UBN (DAM2526SSOB00110)	-	15000/-	300/-	27.052025 दोपहर 12.00 बजे तक	27.05.2025 साय 5.00 बजे	खुली बोली द्वारा 28.05.2025 दोपहर 1.00 बजे

नोट : बोली आमंत्रण सूचना सम्बन्धित नियम/शर्ते सम्बन्धी बोली दस्तावेज उपरोक्त तालिका में दिए निर्धारित शुल्क अनुसार जमा करवाकर कृषि उपज मण्डी समिति श्रीडूंगरगढ़ कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में निर्धारित दिनांक एवं समय तक कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते है।
NIB Code :- DAM2526A0079
प्रशासक सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति कृषि उपज मण्डी समिति
राज.संवाद/सी/25/2700 श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर) श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)

अक्षर के लिए ये दुर्भाग्यपूर्ण है। पिछले दो दिनों से वह बहुत बीमार हैं। फ्लू से जूझ रहे हैं। हम उनके जल्द ठीक होने की कामना करते हैं। - **फाफ डुप्लेसी**

दिल्ली के कार्यवाहक कप्तान, अक्षर पटेल के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

गीता सामोता

सीआईएसएफ की सब इंस्पेक्टर गीता सामोता ने इतिहास रच दिया है। गीता ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़कर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के 56 साल के इतिहास में पहली कर्मचारी बन गई हैं।सीआईएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि गीता सामोता ने सोमवार को 8,849 मीटर ऊंचे पर्वत की चढ़ाई पूरी की। गीता दुनिया की शिखर पर खड़ी थीं और ये एक विजयी क्षण था। ये न केवल व्यक्तिगत जीत का प्रतीक था बल्कि सीआईएसएफ और राष्ट्र के तौर पर भारत के अविश्वसनीय जज्बे और मजबूती का भी प्रतीक था।

क्या आप जानते हैं ?... क्लब और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त रूप से 930 से अधिकगोलके साथ, क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब तक के सर्वोच्च गोल स्कोरर हैं।

आयरलैंड ने वेस्टइंडीज को दिया 304 रनों का लक्ष्य

डबलिन, 21 मई। एंडी बैलबर्नी (112) की शतकीय , कप्तान पॉल स्टर्लिंग (54) और हैरी टेक्टर (56) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर आयरलैंड ने बुधवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को जीत के लिए 304 रनों का लक्ष्य दिया। आज यहां वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड के लिए एंडी बैलबर्नी और कप्तान पॉल स्टर्लिंग की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 109 रन जोड़े। 23वें ओवर में रॉस्टन चेज ने पॉल स्टर्लिंग को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। पॉल स्टर्लिंग ने दो छक्के और छह चौके लगाते हुए (54) रन बनाये। दूसरे विकेट के रूप में कैड कारमाइकल (16) रन बनाकर आउट हुये। 44वें ओवर में एंडी बैलबर्नी को जोसेफ ने आउट किया। एंडी बैलबर्नी ने नौ चौके और चार छक्के लगाते हुए शानदार (112) रनों की शतकीय पारी खेली। 48वें ओवर में हैरी टेक्टर (56) रन बनाकर आउट हुये। आयरलैंड का पांचवां विकेट लोर्कान टकर (30) के रूप में गिरा। इसके बाद जॉर्ज डॉकरेल (एक) रन बनाकर आउट हुये। आयरलैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में छह विकेट पर 303 रनों का स्कोर खड़ा किया। वेस्टइंडीज की ओर से मैथ्यू फोर्ड ने तीन और अल्जारी जोसेफ ने दो विकेट लिये। रॉस्टन चेज ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

रेणुकाचार्य होदमानी और दीक्षा यादव ने तैराकी स्पर्धा में जीते स्वर्ण पदक

दीव, 21 मई। कर्नाटक के रेणुकाचार्य होदमनी और महाराष्ट्र की दीक्षा यादव ने बुधवार को पुरुष और महिला वर्ग की 10 किमी खुले पानी की समुद्री तैराकी स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते। आज यहां कर्नाटक के रेणुकाचार्य होदमानी और महाराष्ट्र की दीक्षा यादव ने अरब सागर में आयोजित 10 किमी ओपन स्पर्धाओं में क्रमश: पुरुष और महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। रेणुकाचार्य ने दो घंटे नौ मिनट और 40 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं दीक्षा ने दो घंटे 18 मिनट और नौ सेकंड का समय लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया। स्वर्ण पदक विजेता 17 वर्षीय रेणुकाचार्य ने सात साल की उम्र में तैराकी शुरू की थी, लेकिन तीन साल पहले ही उन्होंने ओपन वॉटर में कदम रखा। सामान्य तैराकी और ओपन स्पर्धा के बीच अंतर पर उन्होंने कहा, हम पूल में पानी को साफ देख सकते हैं, लेकिन ओपन वॉटर में हमें सामने देखना पड़ता है और सांस लेनी पड़ती है। इससे गर्दन पर थोड़ा दबाव पड़ता है, लेकिन यह ठीक है। छोटे पूल में तैरना और यहां ओपन में आना रोमांचक रहा है। दीक्षा भी बहुत कम समय के लिए ओपन कॉम्पिटिटिव तैराकी में शामिल हुई हैं। महाराष्ट्र की इस 19 वर्षीय लड़की ने बताया, ओपन स्विमिंग में यह मेरा दूसरा साल है और मुझे बहुत मजा आया। अरब सागर में तैरना मजेदार था, लेकिन कुछ पल ऐसे भी आए जब आने वाली लहरों के कारण मुझे देखने में दिक्कत हो रही थी। इसके अलावा, जेलीफिश के डंक भी लगे।

दिल्ली कैपिटल्स को 59 रनों से हराकर मुम्बई इंडियंस प्लेऑफ में

मुम्बई, 21 मई। सूर्यकुमार यादव (नाबाद 73) और नमन धीर (नाबाद 24) की विस्फोटक पारियों के बाद जसप्रीत बुमराह और मिचेल सैंटनर (तीन-तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत मुम्बई इंडियंस ने बुधवार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 63वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 59 रनों से हराकर प्लेऑफ में जगह बना ली है।

181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 27 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। कप्तान फाफ डुप्लेसी (छह), के एल राहुल (11) और अभिषेक पोरेल (छह) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये समीर रिजवी और विप्रज निगम ने पारी को संभालने का प्रयास किया। आठवें ओवर में मिचेल सैंटनर ने विप्रज निगम (20) को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर पवेलियन भेज दिया। ट्रिस्टन स्टब्स (दो) रन को जसप्रीत बुमराह अपना शिकार बनाया। 15वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने समीर रिजवी (39) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसी ओवर में उन्होंने आशुतोष शर्मा(18) भी आउटकर दिल्ली के मैच जीतने की उम्मीदों को ध्वस्त कर दिया। दिल्ली कैपिटल्स का नौवां विकेट कुलदीप यादव (सात) के रूप में गिरा। 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर बुमराह ने मुस्तफिज़ुर रहमान (शून्य) को बोल्ड कर अपनी टीम को प्लेऑफ में जगह दिला दी। दिल्ली कैपिटल्स की पूरी टीम 18.2 ओवर में 121 रन पर ढ़ेर हो गई।

मुम्बई इंडियंस के लिए मिचेल सैंटनर ने चार ओवर में 11 रन देकर तीन विकेट लिये। जसप्रीत बुमराह ने 3.2 ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट झटके। ट्रेंट बोल्ट, विल जोक्स और दीपक चाहर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां दिल्ली कैपिटल्स के कार्यवाहक कप्तान फाफ डुप्लेसी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत खराब रही और एक के बाद एक उसने 58 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिये। तीसरे ओवर में मुस्तफिजुर ने रोहित शर्मा (पांच) को आउटकर मुम्बई को पहला झटका दिया। इसके बाद विल जैक्स (21) मुकेश शर्मा का शिकार बने। सातवें ओवर में रायन रिकलटन (25) को कुलदीप यादव ने आउट किया।

चौथे बल्लेबाज के रूप में मैदान में उतरे सूर्यकुमार यादव ने पारी को संभालने का प्रयास किया। हालांकि इस दौरान तिलक वर्मा (27) और उसके बाद कप्तान हार्दिक पंड्या (तीन) रन बनाकर आउट हुये।

इंग्लैंड दौरे के लिए बीसीसीआई स्क्वॉड और नए टेस्ट कप्तान के नाम की घोषणा 24 को

नई दिल्ली, 21 मई। अगले महीने 20 जून से भारत के इंग्लैंड दौरे का आगाज होने जा रहा है। इस टूर पर भारतीय टीम की अगुवाई कौन करेगा? साथही किन खिलाड़ियों को इस दौरे के लिए टीम में शामिल किया जाएगा? इस तरह के कई सवालों के जवाब का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। हालांकि, ये इंतजार अब ज्यादा लंबा नहीं होने वाला है। दरअसल, भारत के इंग्लैंड दौरे के स्क्वॉड के ऐलान को लेकर संभावित तारीख सामने आई है।बीसीसीआई 24 मई को स्क्वॉड और नए भारतीय टेस्ट कप्तान के नाम की घोषणा कर सकता है। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार को चयन बैठक के बाद इसकी घोषणा की जा सकती है और प्रेस कॉन्फ्रेंस भी होने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार ऐलान 12 बजे के आसपास हो सकता हैरोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद से ही भारत नए टेस्ट कप्तान की तलाश में है। तब से, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे कई लोगों के नाम इस पद के लिए संभावित उम्मीदवारों के रूप में सामने आए हैं। हालांकि, रिपोर्ट्स में कहा गया है कि बुमराह ने इस दौड़ से हटने का फैसला किया है जिससे गिल और पंत सबसे आगे चल रहे हैं।

बीसीसीआई का नया फैसला केकेआर को नहीं आया पसंद, उठाए सवाल

कोलकाता, 21 मई। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल के बीच में खेल की शर्तों में बदलाव के लिए बीसीसीआई के निर्णय पर सवाल उठाया है। केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने बताया कि उन्होंने आईपीएल के सीओओ हेमांग अमीन को एक लेटर भेजा है, जिसमें बोर्ड के निर्णय पर आपत्ति जताई गई है कि एक पूर्ण खेल को पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय को 60 मिनट से बढ़ाकर 120 मिनट किया गया है।मैसूर ने अमीन को पत्र लिखने का कारण 17 मई को आरसीबी के खिलाफ बारिश में रद्द हुआ मैच बताया, जिसने उनके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाओं को गंभीर रूप से प्रभावित किया। उनका मानना है कि उस रात 120 मिनट का अतिरिक्त समय कम से कम पांच ओवर प्रति पत्र मुकाबले की संभावना पैदा कर सकता था।

बीसीसीआई ने बदला नियम : ये वही दिन था जब आईपीएल एक हफ्ते के लिए भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण निलंबित होने के बाद पुन:प्रारंभ हुआ। बीसीसीआई ने मंगलवार को प्लेऑफ के लिए आरक्षित होती है, लेकिन देश के कुछ हिस्सों में मानसून के प्रभाव को देखते हुए फैसला लिया गया है। बीसीसीआई ने कहा कि प्लेऑफ चरण के समान शेष लीग चरण के मैचों के लिए अतिरिक्त एक घंटे का आवंटन किया जाएगा जो मंगलवार से शुरू होगा।

बीसीसीआई ने फाइनल की मेजबानी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम को सौंपी है। यही मैदान प्लेऑफ के क्वालिफायर-2 की मेजबानी करेगा। इसके अलावा पंजाब किंग्स का घरेलू मैदान मुल्लांपुर पहले क्वालिफायर के साथ-साथ एलिमिनेटर मैच की मेजबानी करेगा।

फ्लेमिंग ने युवा खिलाड़ियों के सिर फोड़ा सीएसके की हार का ठीकरा

नई दिल्ली, 21 मई। आईपीएल की शुरुआत से ही चेन्नई सुपर किंग्स ने अपनी निरंतरता और उत्कृष्टता से सभी को प्रभावित किया है। पांच खिताब, कई प्लेऑफ और सबसे बड़ी बात ये कि जिन सीजनों में चेन्नई सुपर किंग्स ने हिस्सा लिया उनमें कभी भी लगातार दो साल तक वे फाइनल में पहुंचने से चूके नहीं। हालांकि, 2025 का सीजन इस ने एक अप्रत्याशित मोड़ लेकर आया, जब सीएसके न केवल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। बल्कि पहली बार पॉइंट्स टेबल में सबसे निचले पायदान पर पहुंचने का खतरा मंडराने लगा।2024 की निराशा 2025 में भी जारी रही। दिल्ली में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सीएसकेको मिला 6 विकेट की हार के बाद, मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने अपनी नाराजगी छिपाई नहीं। पोस्ट-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि, हमारा इस सीजन का प्रदर्शन ऐसा ही रहा है, जैसा कि तालिका में हमारी स्थिति दर्शाती है। हम इससे बच नहीं सकते। लेकिन हम बेहतर प्रदर्सन करना चाहते हैं जो हमारी टीम की क्षमता को दर्शाए। मैचों में युवा खिलाड़ियों के शामिल होने से बल्लेबाजी में कुछ तेजी आई, लेकिन फिर भी बल्लेबाजी क्रम में कई खामियां साफ दिखाई देती हैं। आयुष म्हात्रे और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे युवा खिलाड़ियों ने भविष्य के लिए उम्मीद जगाई है लेकिन उन्हें बाकी बल्लेबाजों से ज्यादा समर्थन की जरूरत है।

एचएस प्रणॉय और किदांबी श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स के अगले दौर में, सिंधु बाहर

बुकित जलील (मलेशिया), 21 मई। एचएस प्रणॉय और किदांबी श्रीकांत ने बुधवार को पुरुष वर्ग में अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्जकर मलेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली है। वही भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह से हारकर महिला एकल वर्ग से बाहर हो गईं।

आज यहां स्टेडियम एक्सियाटा एरिना केएल स्पोर्ट्स सिटी में खेले गये मुकाबले में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को शुरुआती गेम में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन दूसरे गेम में अच्छा प्रदर्शन करते हुए वह मैच को तीसरे गेम तक ले जाने में कामयाब रहीं।

एक घंटे तीन मिनट तक चले महिला एकल वर्ग मुकाबले में वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह ने आखिरी गेम पर अपनी पकड़ मजबूत करते हुए सिंधु को 21-11, 14-21, 21-15 से हराकर मैच जीत लिया। पीवी सिंधु के खिलाफ चार मैचों में गुयेन थुई लिन्ह की यह दूसरी जीत है। भारत के पुरुष खिलाड़ियों का कोर्ट पर अच्छा दिन रहा। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणॉय ने एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जापान के केंटा निशिमोटो को मात दी। पहला गेम हारने के बावजूद एचएस प्रणॉय ने अगले दो गेम में वापसी करते हुए केंटा निशिमोटो को मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराया। एक अन्य मैच में किदांबी श्रीकांत ने भी चीन के लू गुआंगज़ू को हराकर अगले राउंड में जगह बनाई। पुरुष एकल रैंकिंग में 65वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत ने दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी और छठे वरीय लू गुआंगज़ू को 23-21,13-21, 21-11 से हराया। सतीश करुणाकरण ने भी चीनी ताइपे के चोउ टिएन-चेन को 21-13,21-14 से हराकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई।

गुजरात जायंट्स ने जयवीर को बनाया टीम का मुख्य कोच

अहमदाबाद, 21 मई। गुजरात जायंट्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) 2025 के लिए 31 मई और एक जून को होने वाली खिलाड़ियों की नीलामी से पहले बुधवार को कोचिंग सदस्यों में बदलाव करते हुए दिग्गज जयवीर शर्मा को मुख्य कोच और वरिंदर सिंह संधू को टीम का सहायक कोच नियुक्त किया। अडानी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाली गुजरात जायंट्स ने नए सीजन से पहले रणनीतिक बदलाव करते हुए यह नियुक्तियां की है। जयवीर भारतीय कबड्डी में सबसे सम्मानित हस्तियों में से एक हैं। वह 1992 से भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के साथ काम कर रहे हैं, कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ियों के करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं।

गुजरात टाइटंस की नजर शीर्ष स्थान पर, लखनऊ उतरेगा सत्र का सकारात्मक अंत करने

अहमदाबाद, 21 मई। प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी गुजरात टाइटन्स गुरुवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत दर्ज कर आईपीएल-25 की अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी पकड़ मजबूत करने मैदान में उतरेगी। वहीं क्वालीफिकेशन की दौड़ से बाहर हो चुकी लखनऊ लीग सत्र का सकारात्मक अंत करना चाहेगी।

शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस ने पिछले छह मैचों में पांच जीत दर्ज करते हुए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। आईपीएल के इस सत्र में गिल और साई सुदर्शन ने 12 पारियों में 76.3 की औसत से कुल 839 रन बनाए हैं। वह आईपीएल इतिहास में एक सत्र में किसी भी जोड़ी द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रनों (939) के रिकॉर्ड को तोड़ने से महज 100 रन दूर है। गुजरात टाइटंस की हरफनमौला ताकत उसके खिताब जीतने ललक को दिखाती है। बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर पर खेलते हुए जॉस बटलर ने ओपनिंग और मध्यक्रम में खेलते हुए 11 पारियों में 71.4 की औसत और 164 के स्ट्राइक रेट से 500 रन बनाए हैं। दूसरी ओर ऋषभ पंत की अगुवाई वाली लखनऊ ने निराशाजनक सीजन का सामना किया है। पंत ने पूरे सत्र की 11 पारियों में 12.3 की औसत से मात्र 135 रन बनाए हैं। मैच जीतने के लिए उनका फॉम हासिल करना जरुरी है। एडन मारक्रम और मिशेल मार्श के बीच 115 रनों की जुझारू साझेदारी के बावजूद टीम खराब गेंदबाजी और सामरिक चूक के कारण प्रतिस्पर्धी स्कोर का बचाव करने में विफल रही। लखनऊ का मध्य क्रम दबाव में लड़खड़ता रहा है। निकोलस पूरन और आयुष बड़ोनी ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उसने में निरंतरता की कमी रही। लखनऊ ने इस सत्र अपने तीन शीर्ष विदेशी बल्लेबाजों पर पूरा भरोसा किया और शुरुआत में उन्हें इसका लाभ हुआ।

रोहन राजभर के शतक व प्रखर शर्मा के पंजे से जीता जयपुर

जयपुर, 21 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित एकदिवसीय सीरीज के तहत उदयपुर के साथ खेले गए तीसरे मैच में जयपुर ए टीम ने उदयपुर को 102 रनों से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर उदयपुर ने टॉस जीतकर पहले जयपुर को बल्लेबाजी करने के आमंत्रित किया। जयपुर ने रोहन राजभर के शतक 102 रन, भावित कुमावत के 56 रन, राज शर्मा के 30 रन, करण लांबा के 14 रन, राहुल चौधरी के नाबाद 16 रन व मानेंद्र सिंह के 15 रनों से 40 ओवर में 6 विकेट पर 259 रन बनाए। उदयपुर के लिए निखिल शुक्ला ने 52 पर 4 व मोहम्मद जफर ने 46 पर एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में उदयपुर की टीम प्रखर शर्मा के 41 पर 5 व दीपक चौधरी के 36 पर 4 विकेट की घातक गेंदबाजी के सामने 33.5 ओवर में 157 रनों पर सिमट गई। उदयपुर के लिए पुष्पेंद्र सिंह ने 36 रन, अनिरुद्ध सिंह ने 20 रन, मोहम्मद जफर ने 41 रन बनाए। आज श्रीगंगानगर की टीम से जयपुर की बी टीम से मैच खेला जाएगा।

राजधानी

बाबा साहब की परिकल्पनाओं को प्रधानमंत्री ने साकार किया : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिला, गरीब, युवा और किसान सहित हर वर्ग के उत्थान से ही देश का उत्थान हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। इसी का परिणाम है कि देश का हर वर्ग, हर जाति और हर समाज उन्नित कर रहा है। मुख्यमंत्री शर्मा बुधवार को बिड़ला सभागार में अखिल भारतीय रैगर महासभा के प्रतिनिधि सम्मेलन और अभिनंदन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने संत जीवाराम, संत आत्माराम और बाबा साहेब अम्बेडकर को नमन कर समाज प्रतिभाओं को बधाइयां दीं। शर्मा ने कहा कि आजादी पूर्व से ही रैगर समाज का राष्ट्रहत में अहम योगदान रहा है। हमारी सरकार ने भी आवश्यक निर्णय लेकर सभी समाजों के विकास कार्यों को गति दी है। इस दौरान उन्होंने देश में संस्कृति, विरासत और समाज समानता में अहम भूमिका निभाने वाले 'संत आत्माराम लक्ष्य' का पैनोरमा बनाने के लिए घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे संत आत्माराम लक्ष्य के विचारों को आत्मसात कर युवा राष्ट्र विकास के मार्ग पर चल सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जिस समतामूलक और शिक्षित समाज की परिकल्पना की थी, उसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी साकार कर रहे हैं। भावी पीढ़ी को डॉ. अंबेडकर के राष्ट्र विकास में योगदान, अमूल्य कार्यों व विचारों से प्रेरणा मिलेगी। इसके लिए उनके जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित गया है। उन्होंने कहा कि पंचतीर्थ भ्रमण योजना के तहत राज्य सरकार अनुसूचित जाति के लोगों को पंचतीर्थों का भ्रमण करा रही है। शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 में सत्ता संभालने के साथ ही प्रधानमंत्री ने बाबा साहब की विरासत और आजाद भारत को लेकर देखे गए सपनों को साकार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भी बाबा साहब के विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज को सशक्त बनाने के लिए कार्य कर रही है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना और अनाथ व जरुरतमंद बच्चों की देखभाल के लिए पालनहार योजना के तहत आर्थिक सहायता दी जा रही हैं। विमुक्त, घुमंतू और अद्धर्घुमंतू समुदाय के कल्याण के लिए 'दादूदयाल घुमंतू सशक्तिकरण योजना' में 60 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इन समुदाय को 26 हजार आवासीय पट्टे देने का बड़ा कार्य भी किया गया है। शर्मा ने कहा कि जयपुर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय के तहत अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्स्टिट्यूशनल स्टडीज एण्ड रिसर्च की शुरुआत भी की गई है। शर्मा ने कहा कि देश में अब गरीबी हटाओ के नारों के बजाय गरीब कल्याण की दिशा में कार्य हो रहे हैं। श्री शर्मा ने समाज के लोगों से बाबा साहब के बताए रास्तों पर चलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान निभाने के लिए आव्हान किया है।

इस अवसर पर दिल्ली से सांसद योगेंद्र चांदोलिया, विधायक रामसहाय वर्मा, महासभा अध्यक्ष बी.एल. नवल सहित विभिन्न राज्यों से आए समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बिड़ला सभागार में अखिल भारतीय रैगर महासभा के प्रतिनिधि सम्मेलन और अभिनंदन समारोह को सम्बोधित किया।

- **'हर वर्ग का विकास हमारा संकल्प, संत आत्माराम लक्ष्य का बनाएंगे पैनोरमा'**

सिटी पैलेस में 20 जून तक चलेगा प्रशिक्षण शिविर

महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट की ओर से सिटी पैलेस, जयपुर में आयोजित सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने उद्घाटन किया।

जयपुर। महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट द्वारा सिटी पैलेस, जयपुर में आयोजित सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि "सिटी पैलेस में पिछले 28 वर्षों से सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का आयोजन निरंतर रूप से प्रत्येक वर्ष किया जा रहा है। हमारे परिवार की सदैव यह प्राथमिकता रही है कि पारंपरिक कलाओं और शिल्प को संरक्षित रखा जाए तथा उन्हें प्रोत्साहित कर अगली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाए। हम इसी परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" गौरतलब है कि यह शिविर पारम्परिक कलाओं की प्रतिनिधि संस्था रंगरीत तथा सरस्वती कला केन्द्र के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राजस्थान की कला और संस्कृति विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखती है, और इसे आगे बढ़ाने का कार्य हमारी भावी पीढ़ियां करेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने प्रत्येक जिले में स्थानीय कलाओं को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 'वॉल पेंटिंग' पहल की शुरुआत की है। इस प्रयास से देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को उस क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत की जानकारी प्राप्त होगी और पारंपरिक कला को नया जीवन मिलेगा।

एक माह तक चलने वाले इस सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को चित्रकला, आला गिला, आराईश, ध्रुवपद, कथक, बांसुरी, कैलीग्राफी, वैदिक ज्योतिष जैसी पारंपरिक कलाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कंवरलाल मीणा की आज सदस्यता रद्द नहीं की, तो सुप्रीम कोर्ट जाऊंगा : जूली

जयपुर। अंता से भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा की सदस्यता रद्द नहीं करने के मामले में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरपार की लड़ाई का ऐलान करते हुए कह दिया है कि अगर आज विधानसभा अध्यक्ष कंवरलाल मीणा की सदस्यता रद्द करने का फैसला नहीं लेते हैं तो मैं खुद सुप्रीम कोर्ट जाकर इसकी लड़ाई लड़ूंगा।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए जूली ने कहा कि एक महीने का समय हो गया, लेकिन अंता विधायक की सदस्यता अभी तक रद्द नहीं की गई है। एक देश में दो कानून नहीं हो सकते हैं। विधानसभा के आज तक के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ है, अगर कोई स्पीकर के लिए ऑफ द रिकॉर्ड ही कुछ कह दे तो वे संविधान की बात करने लगते हैं। अब 21 दिन से विधायक की सदस्यता रद्द करने का फैसला नहीं ले पा रहे हैं। हम चार बार राज्यपाल और विधानसभा अध्यक्ष के पास गए। जूली बोले कि जब लोकसभा में राहुल गांधी की सदस्यता रद्द करने का फैसला हुआ था तब तो अटॉर्नी जनरल से फाइल नहीं मंगाई गई।

सार-समाचार

राजीव गांधी को श्रद्धा से किया याद

जालोर, (कासं)। जिला कांग्रेस कमेटी की और से बुधवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवम भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि का कार्यक्रम जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल की अध्यक्षता में राजीव गांधी भवन जालोर में आयोजित किया गया। जिला प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत ने बताया कि सर्वप्रथम समस्त कांग्रेसजन ने स्व राजीव गांधी जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। साथ ही सभी कांग्रेसजन ने उनके बताए गए मार्गो एवम आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया। अंत मे सभी कांग्रेसजन ने दो मिनिट का मौन धारण कर उन्हें श्रदांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भवरलाल मेघवाल,सवाराम पटेल,जुल्फिकार अली, वीरेन्द्र जोशी,नगराध्यक्ष मुमताज अली,मदनलाल दहिया,कैलाश शर्मा, आम सिंह परिहार,लक्ष्मण सिंह सांखला,बसंत सुथार,खसराम मेघवाल,अनिल पंडत, सोनाराम मेघवाल,पदमाराम सरगरा, बस्तीमल चौहान,बंशीलाल माली, सुरेश मेघवाल, महेंद्र सोनगरा, उम्मेद सिंह चारण, जोगाराम सरगरा,पुखराज माली,कालूराम मेघवाल, शांतिलाल दमामी,ओम प्रकाश चौधरी, फकरूद्दीन मेहर,सहित तमाम कांग्रेसजन उपस्थित थे।

जिला प्रभारी अधिकारी ने दौरा किया

बालोतरा, (निसं)। जलग्रहण विभाग के जिला प्रभारी नवीन वशिष्ठ बुधवार को बालोतरा जिले के दौरे पर रहे। जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग बालोतरा के अधीक्षण अभियंता घनश्याम सिंह राठौड ने बताया कि जलग्रहण विभाग के जिला प्रभारी नवीन द्वारा बुधवार को पंचायत समिति बालोतरा के वीसी रूम में जिले के जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के समस्त तकनीकी अधिकारियों की बैठक ली गई। जिसमें प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-2.० व मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.० अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों की कार्यवार समीक्षा की गई। जिसमें अधिकारियों को समयावधि में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निर्धारित समयावधि निकलने के बाद आरटीपीपी रूल्स के अनुसार शास्ति दर आरोपित करते हुये, निर्धारित तकमीने अनुसार कार्य संपादित करवाना सुनिश्चित् करें। गुणवत्ता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। बैठक में अधीक्षण अभियंता श्री घनश्यामसिंह राठौड, अधिशाषी अभियंता मनोज सुराणा व विवेक गुप्ता सहित जिले के समस्त तकनीकी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अन्नपूर्णा रसोई घर का निरीक्षण

बालोतरा, (निसं)। जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने बुधवार को पचपदरा में संचालित श्री अन्नपूर्णा रसोई घर का निरीक्षण किया। जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने विकास अधिकारी हीराराम के साथ श्री अन्नपूर्णा रसोई के निरीक्षण दौरान भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, बैठने की व्यवस्था और पेयजल सहित अन्य इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने लाभार्थियों से संवाद कर भोजन सहित अन्य व्यवस्थाओं पर भी फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना राजस्थान सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को सस्ती दरों पर पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना है। उन्होने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिये कि श्री अन्नपूर्णा रसोई घर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हुए जरूरतमंद लोगों को निर्धारित दर पर गर्म, शुद्ध, ताजा, शाकाहारी, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध करायें। साथ ही पीने के लिए शीतल जल उपलब्ध कराए।

तीन दुपहिया वाहन चोरी

जोधपुर, (कासं) । कमिश्नरेट में अलग अलग स्थानों से दुपहिया वाहन चोरी के तीन प्रकरण दर्ज किए गए। उदयमंदिर पुलिस ने बताया कि सुल्तान नगर बीजेएस कॉलोनी निवासी अरविंद सिंह पुत्र गंगा सिंह अपनी बाइक लेकर गौशाला मैदान पर आया था। जहां से उसकी बाइक चोरी हो गई। इस बारे में प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं बोडीवाला जाव माता का थान हाल पीएनटी कॉलोनी शास्त्रीनगर निवासी दिनेश पुत्र प्रेमप्रकाश ने उदयमंदिर पुलिस को बताया कि 19 मई को वह राय बहादुर मार्केट आया था। जहां बाहर से उसकी बाइक को कोई चुरा ले गया। इसी प्रकार भगत की कोठी पुलिस के अनुसार पीपाड़ स्थित कोसाणा निवासी रामविलास पुत्र महीराम विश्नोई रामेश्वर नगर में किराए पर रहता है। जहां घर के बाहर उसे अज्ञात शख्स उसकी बाइक को चुरा ले गया। पुलिस अब गाड़ियों के संबंध में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

रेस्टारेंट में अफीम, संचालक रिहा

जोधपुर, (कासं) । शहर के शिकारगढ़ मिनी मार्केट में आए एक रेस्टारेंट में पुलिस ने दबिश देकर अफीम को बरामद किया। संचालक को गिरफ्तार कर बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। मात्रा कम होने पर उसे जमानत थाना स्तर मिल गई। एयरपोर्ट थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि शिकारगढ़ मिनी मार्केट में आए एक रेस्टारेंट में अवैध अफीम की सप्लाई की जानकारी मिलने पर पुलिस ने रेड दी। रेस्टारेंट से 18 ग्राम अफीम जब्त की गई। इस पर रेस्टारेंट संचालक बीजेएस कॉलोनी निवासी कुलदीपसिंह के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण बनाया गया और गिरफ्तार किया गया। बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया।

सी.सी. रोड बनाते श्रमिक गिरा, मौत

जोधपुर, (कासं) । शहर के माता का थान स्थित मंगल विहार क्षेत्र में सीसी रोड बनाते एक श्रमिक अचानक से नीचे गिर गया। उसके सिर में गंभीर चोट लगने पर अस्पताल ले जाया गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई। उसके भाई की तरफ से माता का थान पुलिस थाने में मर्ग में रिपोर्ट दी। माता का थान पुलिस ने बताया कि मूलतः मध्यप्रदेश के राजगढ़ स्थित देवखेड़ी का रहने वाला 39 वर्षीय पप्पू मेवाड़ा पुत्र पुरीलाल मेवाड़ा यहां जोधपुर में माता का थान स्थित मंगल विहार में सीसी रोड के निर्माण कार्य में लगा हुआ था। वह निर्माण कार्य के समय अचानक से नीचे गिर गया और उसके सिर में चोट लग गई। इस पर उसे अस्पताल भेजा गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

अवैध बजरी से भरी ट्रेक्टर ट्राली पकड़ी

जोधपुर, (कासं) । शहर के लूणी तहसील क्षेत्र शिकारपुरा में अवैध बजरी खनन एवं परिवहन किए जाने पर एक ट्रेक्टर ट्राली अवैध बजरी को जब्त किया गया। दो लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। लूणी पुलिस ने बताया कि हैडकांस्टेबल छोटूराम ने गश्त के समय शिकारपुरा में बजरी से भरी ट्रेक्टर ट्राली को रूकवाया। उसके चालक एवं खलासी से पूछताछ में पता लगा कि बजरी अवैध है। इस पर बजरी को जब्त कर लिया गया। पुलिस ने गुढ़ाविश्नोईयान जांगुओं की ढाणी निवासी प्रेम पुत्र हड़मानराम जांगू एवं बुडियो की ढाणी गुढा निवासी विकास पुत्र मोहनलाल के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

गांव आकर फंदा लगाकर दी जान

जोधपुर, (कासं) । देचू थाना क्षेत्र में एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने बताया कि जेठानिया निवासी 37 वर्षीय राजेश कुमार पुत्र बंशीलाल महाजन का परिवार सूरत में रहता है। राजेश कुमार खुद पिछले एक माह से गांव आया हुआ था। रात्रि में कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर दी। सुबह आसपास ग्रामीणों ने देचू पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर उपजिला अस्पताल देचू लेकर आए। पुलिस की ओर से मामले की जांच की जा रही है।

कमठा मजदूर की करंट से मौत

जोधपुर, (कासं) । सरदारपुरा क्षेत्र में कमठा मजदूरी कर रहे एक श्रमिक की करंट लगने से मौत हो गई। उसके पिता ने इस बारे में सरदारपुरा थाने में मर्ग में रिपोर्ट दी। सरदारपुरा पुलिस ने बताया कि मूलतः ब्यावर जिले के मसूदा स्थित मोयणा निवासी 29 वर्षीय नोरतसिंह पुत्र सुखदेव सिंह रावत यहां सरदारपुरा क्षेत्र में एक भवन पर निर्माण कार्य में लगा हुआ था। 19 मई को कमठा कार्य करते समय उसे करंट लग गया। जिस पर वह घायल हो गया। उसे उपचार के लिए एमडीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मगर मंगलवार को उसकी मौत हो गई।

जोराराम कुमावत आज मादड़ी आएंगे

जालोर, (कासं)। राज्य के पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत 22 मई को आहोर के मादड़ी ग्राम के दौरे पर रहेंगे। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत 22 मई को दोपहर 12 बजे कोसेलाव से रवाना होकर दोपहर 11.30 बजे मादड़ी (आहोर) पहुंचेंगे। जहां वे मारू कुम्हार समाज मेला महोत्सव कार्यक्रम में भाग लेंगे तत्पश्चात् दोपहर 2.30 बजे मादड़ी से खिमाड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे।

गंगानाथ महाराज का आठवां चार्तुमास सिरे मंदिर धाम में होगा

जालोर के भैंरूनाथ अखाड़े में पीर गंगानाथ महाराज के सिरे मंदिर धाम पर चातुर्मास निर्णय के बाद लाभार्थी धर्मनारायण गहलोत परिवार ने महाराज का माला पहनाकर अभिनंदन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के तिलकद्वार के अंदर स्थित भैरूनाथ अखाडे में बुधवार को प्रातः 9.30 बजे जालोर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रबुद्वजन, सभी समाज के प्रतिनिधि एवं नाथजी के समस्त भक्तजनो ने पीर गंगानाथ महाराज का आठवॉ चार्तुमास सिरे मंदिर धाम में करवाने का निर्णय लिया। सिरे मंदिर धाम पर चार्तुमास करने के लिए पीर गंगानाथ महाराज ने सहमति प्रकट की। सहमति के बाद माली धर्मनारायण पुत्र थानमल गहलोत ने फूल माला से पीर गंगानाथ महाराज का अभिनंदन किया।

बैठक में नाथजी के परम भक्त लाभार्थी माली धर्मनारायण पुत्र थानमल गहलोत ने सिरे मंदिर धाम पर आयोजित पीर गंगानाथ महाराज के आठवे चार्तुमास की समस्त व्यवस्था खर्च अपनी तरफ से करने का प्रस्ताव सभी नाथजी के भक्तों के समक्ष रखा। लाभार्थी माली धर्मनारायण पुत्र थानमल गहलोत परिवार का सालों से भैरूनाथ अखाडे से जुडाव एवं अटूट श्रद्धा को देखते हुए समस्त भक्तजनो ने एक स्वर में प्रस्ताव पर सहमती दी। सभी भक्तो ने नाथजी के जयकारो के साथ लाभार्थी परिवार का माला पहनाकर बहुमान किया। योगी प्रेमनाथ महाराज, योगी आन्नदनाथ महाराज, योगी गोपालनाथ महाराज ने सभी भक्तों से चातुर्मास कार्यक्रम में सहयोग करने की अपील की। बैठक से पुर्व तरूण पुत्र धर्मनारायण गहलोत ने महादेव मंदिर में परिवार सहित पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। भैरूनाथ अखाडे के व्यवस्थापक पारसमल परमार ने बताया कि सनातन धर्म में सावन मास में संतो द्वारा स्थानिय मंदिरों में भक्ती करने का विशेष महत्व हैं। गुरू परम्परा का निर्वाहन करते हुए पीर गंगानाथ महाराज इस साल भी अपना चार्तुमास ईश्वर भक्ती में लीन रहकर सिरे मंदिर धाम पर सम्पन्न करेगें। बुधवार को भैरूनाथ अखाडे में सिरे मंदिर धाम के मंहत पीर गंगानाथ महाराज का चार्तुमास सिरे मंदिर धाम पर आयोजित को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पीर गंगानाथ महाराज ने गांव वालो की भावना को देखते हुए सहर्ष सिरे मंदिर में चार्तुमास सम्पन्न करने की स्वीकृति दी। वही भैरूनाथ अखाडा ब्रह्मलीन पीर शांतिनाथ महाराज के जयकारो से गुंजयमान हो गया। पीर गंगानाथ महाराज ने सभी भक्तों से कहा कि चार्तुमास के दौरान सिरे मंदिर धाम पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन रहेगा। चार्तुमास के दौरान आने वाले भक्तों को किसी भी तरह की तकलीफ ना हो उसके लिए सभी तैयारियों को तय समय में पुर्ण करे। सेवा कार्य एक पुण्य का कार्य है तथा चार्तुमास में आने वाले भक्तो की पूर्ण आवभगत करें।

इस दौरान चार्तुमास सेवा समिति के अध्यक्ष मीठालाल दर्जी, शिवलाल प्रजापत, नैनाराम लुहार, गजाराम देवासी, ओबाराम देवासी, नवीन सुथार, खसाराम सांखला, कनिष्क चौधरी, हितेष प्रजापत, बसन्त सुथार, लक्ष्मणसिंह सांखला, बाबूलाल गहलोत, मंगलाराम गहलोत, मोहनलाल गहलोत, देवीलाल गहलोत, हीरालाल घांची, रामप्रकाष चौघरी, छतराराम सुथार, फुटरमल शर्मा, बंशीलाल सेन, सुरेन्द्रसिंह, बाबूलाल परमार, तरूण जैन, श्रीराम वैद्य, राणसिंह भायल, हेमेन्द्र परमार, विक्रमसिह परमार, हीरालाल परमार, रूपाराम जाट,अमरसिंह महेशपुरा, शांतिलाल सुथार, अंबालाल माली सहित काफी भक्त मौजूद रहे।

पीर गंगानाथ महाराज ने अपना पहला चातुर्मास 2014 में बैरठ गांव में सम्पन्न किया। इसके बाद 2016 में रेवतडा तथा इसके बाद लगातार चार चातुर्मास सिरे मंदिर धाम पर सम्पन्न हुए। गत साल पीर गंगानाथ महाराज का सातवॉ चार्तुमास रेवत गांव के अमरनाथ मंदिर में सम्पन्न हुआ था। इस साल पीर गंगानाथ महाराज का आठवॉ चार्तुमास सिरे मंदिर में आयोजित होगा।

पीर गंगानाथ महाराज ब्रह्लीन पीर शांतिनाथ महाराज के शिष्य है। पीर गंगानाथ महाराज के बचपन में ही भक्ति में लगन होने से सवंत 2038 कार्तिक सुदी पंचमी सोमवार 2 नवम्बर 1981 को पुज्य गुरूदेव पीर शांतिनाथ महाराज ने दीक्षा ग्रहण करवाई। पीर गंगानाथ महाराज का जन्म रानीवाडा तहसील के दांतवाडा गांव में सवंत 2016 मार्ग शीर्ष सुदी नवमी सोमवार 9 नवम्बर 1959 को हुआ। पीर गंगानाथ महाराज के जन्म के बाद उनके माता रकमो देवी एवं पिता नगाराम ने उनका नाम कालूराम रखा। पीर गंगानाथ महाराज बचपन में ही पीर शांतिनाथ महाराज के चरणों में अपनी आस्था रखते थे। तथा उनका प्रारम्भ से भक्ति व धार्मिक कार्यो में रूचि होने से उन्होने सवंत 2038 वैशाख सुदी तेरस सोमवार 17 मई 1981 को सिरे मंदिर पहुंचे। गुरू पीर शांतिनाथ महाराज की प्रेरणा से पीर गंगानाथ महाराज ने जिले के कई मंदिरो व गौशालाओं का जीर्णोद्वार व निर्माण करवाया। पीर शांतिनाथ महाराज के देवलोकगमन होने के बाद सवंत 2069 आसोज सुदी बीज बुधवार 17 अक्टूबर 2012 को भैरूनाथ अखाडे का पीठाधीश्वर की गादी पर आसीन हुए। पीर गंगानाथ महाराज के सानिध्य में सिरे मंदिर धाम पर महारूद्र यज्ञ का भव्य आयोजन भी करवाया गया।

जोधपुर कलैक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी का ई-मेल

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर कलैक्ट्रेट को बुधवार सुबह ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी मिलने के बाद पुलिस व प्रशासन में हड़कंप मच गया। धमकी मिलने के तुरंत बाद पुलिस-प्रशासनिक अमला एक्टिव हुआ और तुरंत सभी कर्मचारियों को बाहर निकाला। चंद मिनटों में पूरा कलैक्ट्रेट खाली करवाया गया। बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड और पुलिस जवानों ने पूरे कलैक्ट्रेट को घेर लिया। इसके बाद चप्पा-चप्पा छान मारा लेकिन बम नहीं मिला। मौके पर दमकल और एम्बुलेंस भी बुलाई गई।

जोधपुर कलेक्टर कार्यालय की आईडी पर बुधवार सुबह एक ई-मेल आया, जिसमें जोधपुर कलैक्ट्रेट को दोपहर 3.30 बजे आरडीएक्स, बस से उड़ाने की धमकी दी गई। इसकी सूचना पर डीसीपी (ईस्ट) आलोक श्रीवास्तव, एडीसीपी (ईस्ट) वीरेंद्र सिंह, एसीपी हेमंत कलाल सहित अन्य अधिकारी कलैक्ट्रेट पहुंचे। इसके बाद बीएसएफ, आरपीएफ और सीआईएसएफ की टीमों को सूचना देकर बुलाया गया। संयुक्त टीमों ने पूरे कलैक्ट्रेट परिसर की तलाशी शुरू की लेकिन दोपहर तक कहीं कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। इस दौरान संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह व अन्य अधिकारी भी वहां मौजूद रहे। उनके निर्देश पर सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया था।

डीसीपी पूर्व आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि पूरे कलैक्ट्रेट परिसर को खाली करवाकर छानबीन की गई। सिविल डिफेंस की टीम ने भी चप्पे-चप्पे में तलाशी ली। सभी अधिकारी और पुलिस जाप्ता कलैक्ट्रेट पहुंचा। साथ ही बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया। बम स्क्वायड की टीम ने संभागीय आयुक्त और कलेक्टर के चेंबर सहित अन्य कक्ष की छानबीन की है। साइबर एक्सपर्ट यह जांच कर रहे हैं कि मेल कहां से आया है। साइबर एक्सपर्ट टीम के साथ-साथ कमिश्नरेट की साइबर विशेषज्ञों की टीम भी छानबीन में जुटी हुई है कि आखिर यह ई-मेल किस आईपी एड्रेस से और किस शहर से भेजी गई थी। फिलहाल किसी तरह का कोई विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला है।

इस दौरान शहर विधायक अतुल भंसाली भी कलैक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने बताया कि ई-मेल के जरिए मिली धमकी के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था की जांच की जा गई। कलैक्ट्रेट में कहीं कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है।

प्रदेश में हर दिन कहीं ना कहीं कलैक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी दी जा रही है। इससे पहले भीलवाड़ा, राजसमंद, सीकर, पाली, टोंक और दौसा जिलों के कलैक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी कलेक्टर की मेल आईडी पर मंगलवार को दी गई थी। इसके बाद संबंधित जिलों की पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया था।

कार्यालय ग्राम पंचायत मेड़ाउपरला पंचायत समिति जालोर जिला जालोर

क्रमांक/ग्रांप /मनरेगा /2025-26 /42 दिनांक: 21/05/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 03/2025-26

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मेड़ाउपरला पंचायत समिति जालोर के अधीनस्थ ग्रामों मे वित्तिय वर्ष 2025-26 शेष अवधि में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण, गांवो की सड़क एवं नाली सफाई कार्य तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई कार्य की सेवाओं हेतु इच्छूक जी.एस.टी. पंजीकृत निविदादाताओ / फर्मों से निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है । निविदा फार्म / शर्ते ऑनलाईन वेब साईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://spppeproc.rajasthan.gov.in तथा ग्राम पंचायत नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है ।

NIB No. - ZJR2526A0216
UBN No. - ZJR2526SLOB00438

सरपंच/प्रशासक, ग्राम पंचायत,मेड़ाउपरला, पंचायत समिति जालोर — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत, मेड़ाउपरला, पंचायत समिति जालोर

जीजा ने नाबालिग साली का रेप किया

पाली , (नि.सं.)। पाली के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ अपनी नाबालिग मंदबुद्धि बहन से रेप करने का गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थाना प्रभारी अनिल कुमार के अनुसार, पीड़िता ने बताया कि 16 फरवरी 2025 की सुबह करीब 9 बजे उसकी मंदबुद्धि नाबालिग बहन घर पर अकेली थी। इसी दौरान उसका पति बहन को जबरदस्ती दूसरे कमरे में ले गया और उसके साथ रेप किया। आरोपी ने पीड़िता को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद से नाबालिग बहन डरी-सहमी रहने लगी। जब पीड़िता ने पति से इस बारे में पूछा तो उसने गलती मानते हुए मामले को दबाने की कोशिश की। महिला एफआईआर दर्ज करवाना चाहती थी, लेकिन दादी के देहांत के कारण देरी हुई।

बिठूजाधाम मंदिर के शिखर पर चढ़ाई ध्वजा

बालोतरा, (निसं)। बाबा रामदेव की विश्राम स्थली के नाम से विख्यात बिठूजाधाम स्थित प्राचीन बाबा रामदेवजी मंदिर पर ज्येष्ठ कृष्ण नवमी को मंदिर की 27 वी प्रतिष्ठा वर्षगांठ धूमधाम व हर्षोल्लास के मनाई गई।अलग अलग क्षेत्रों से आये भक्तों ने बाबा रामदेवजी की प्रतिमा के दर्शन व पूजा-अर्चना कर मन्नतें मांगी।

ट्रस्ट मण्डल अध्यक्ष बाबा के परम भक्त भैरूलाल डागा ने बताया कि मंदिर की 27 वां वार्षिकोत्सव(वर्षगांठ) के उपलक्ष्य में बुधवार को दिनभर श्रद्धालुओं की रेलमपेल लगी रही। प्रातःब्रह्ममुहूर्त में सूर्य की प्रथम किरण के साथ ही रामसापीर की प्रतिमा का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पुजारी द्वारा पंचामृत से अभिषेक किया गया।

इसके बाद प्रतिमा को नवीन वस्त्राभूषण पहनाकर सुगंधित फूलों से श्रृंगारित किया।

उसके बाद बाबा रामदेवजी मंदिर शिखर पर अमर ध्वजा के लाभार्थी डूंगरचंद सालेचा परिवार जसोल द्वारा ध्वजा चढाई गई।उसके बाद बजे भेरुजी,डाली बाई, शिव, कृष्ण व विष्णु भगवान के मंदिर पर भी देव प्रतिमाओं को श्रृंगारित कर मंदिर शिखर पर ध्वजा चढाई गई। प्रातःवेला में नव ग्रह पूजन, चौसठ योगिनी व वास्तु गणपति देव की पूजा कर लाभार्थी परिवार द्वारा हवन में आहुतियां दी गई।उसके बाद प्रसादी का भोग लगाकर प्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरान ट्रस्ट सचिव कुंपाराम पंवार, उपाध्यक्ष मदरूपाराम, चौधरी, राजू डागा,मूलचंद सालेचा, पुजारी सखाराम प्रजापत, पुजारी गणपत प्रजापत, फोजाराम प्रजापत, करनाराम सुथार, गौतम सालेचा, दुदाराम माली, राजू माली, किशन, राणाराम मेघवाल, ओमप्रकाश प्रजापत, हड़मान प्रजापत, सांवलराम पालीवाल, जेठाराम, गिरधारीलाल चौधरी किटनोद, तेजाराम चुली,जोगाराम गहलोत सहित सैकडों की सख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

बाबा रामदेव जी मंदिर बिठुजा धाम मंदिर की वर्षगांठ पर मंगलवार रात्रि व बुधवार दिनभर मंदिर में भजन कीर्तन का आयोजन किया गया।भजन कीर्तन का आगाज भजन गायक नारायण माजीराणा ने गणपति वंदना के साथ किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत मेड़ाउपरला पंचायत समिति, जालोर

क्रमांक/ग्रांप /मनरेगा /2025-26 /32 दिनांक: 20/05/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26

पंचायत समिति जालोर के अधीनस्थ ग्राम पंचायत मेड़ाउपरला के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 की अवधि के दौरान महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओ में कराये जाने वाले कार्यो के लिए निर्माण स्रामगी एवं उपकरणो की आपूर्ति हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 (आदिनांक संशोधित) के अनुसार राजस्थान पंचायत राज नियम 1996 के तहत वस्तु एवं सेवाकर (GST) अधिनियम 2017 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी द्वारा पंजीकत अनुभवी एंव इच्छुक विर्निमाता (ओ) / विक्रेता (ओ) / फर्मो /संवेदको / आपूर्तिकताओ से जो किसी भी राजकीय संस्थान / उपक्रमों से बोली लगाने से विवर्जित /ब्लेक लिस्टेड नही हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से निविदाएं आमंत्रित की जाती है ई-निविदा संबंधी समस्त विस्तत विवरण कार्यालय नोटिस बोर्ड तथा www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जाकर डाउनलोड कर www.eproc.rajasthan.gov.in. ई-निविदा ऑनलाईन अपलोड की जा सकती है ।

NIB No. - ZJR2526A0215
UBN No. - ZJR2526GLOB00437

सरपंच, ग्राम पंचायत,मेड़ाउपरला, पंचायत समिति जालोर — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत, मेड़ाउपरला, पंचायत समिति जालोर

लापता बच्चा पुलिस ने ढूंढा

पाली, (नि.सं.)। पाली के इंद्रा कॉलोनी से लापता हुए 8 वर्षीय विमंदित बालक को पुलिस ने नया गांव रेलवे फाटक के पास से सकुशल बरामद कर लिया। बच्चा घर से बिना बताए निकल गया था और करीब 3 किलोमीटर दूर तक चला गया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टीपी नगर थाने से मिली जानकारी के अनुसार मानसिक रूप से कमजोर लक्की के लापता होने की सूचना मिलने पर एक टीम गठित की गई।

स्थानीय निवासी नरपत भाट की सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने बच्चे को नया गांव रेलवे फाटक के पास से बरामद किया।

मंगलवार शाम करीब 8 बजे पुलिस बच्चे को उसके घर लेकर पहुंची। बेटे को देखते ही मां की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। उन्होंने बेटे को गले लगाया और पुलिस का आभार व्यक्त किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत रायपुरिया, पं. स. जालोर जिला जालोर

क्रमांक / ग्रापं/2025-26/55 दिनांक: 20.05.2025

निविदा सूचना संख्या 4/2025-26

ग्राम पंचायत रायपुरिया द्वारा 2 कार्यो हेतु राजस्थान पंचायती राज. नियम 1996 के नियमो के तहत पंचायती राज विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग , जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिक विभाग, नगर निगम एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनो मे पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे प्राप्त की जावेगी । निविदा के सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं ग्राम पंचायत नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है

NIB NO. - ZJR2526A0213
UBN NO. - ZJR2526WSOB00434 to ZJR2526WSOB00435

सरपंच/प्रशासक, ग्राम पंचायत रायपुरिया, पं. स. जालोर (राज.) — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत रायपुरिया, पं. स. जालोर (राज.)

अवैध शराब व हथियारों के खिलाफ अभियान चलाया

जोधपुर, (कासं) । पुलिस आयुक्त राजेंद्र सिंह के निर्देशानुसार आयुक्तालय जोधपुर में अपराध और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए मंगलवार रात को अवैध हथियार, मादक पदार्थ एवं अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। इसके कुल 36 टीमों का गठन किया गया। जिन्होंने 130 अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी।

डीसीपी पूर्व आलोक श्रीवास्तव एवं डीसीपी पश्चिम राजर्षि राज वर्मा के सुपरविजन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त एवं सहायक पुलिस आयुक्तों के नेतृत्व में जिला पूर्व में बीस एवं जिला पश्चिम में सोलह टीमों का गठन कर पुख्ता सूचना के आधार पर चिह्नित स्थानों पर दबिश दी गई। अभियान के दौरान बिना अनुज्ञा पत्र व लाइसेंस के अपने कब्जे में अवैध शराब रखने, विक्रय करने एवं परिवहन करता पाए जाने पर पुलिस थाना बनाड़ द्वारा जाजीवाल खिचिया के महादेव टी स्टाल से विभिन्न ब्रांड के 57 पव्वे, गुजरावास से 87 पव्वे व 9 बीयर, महामन्दिर पुलिस थाना द्वारा नट बस्ती में देशी शराब के 26 पव्वे तथा पुलिस थाना एयरपोर्ट द्वारा खंगारजी रेस्टोरेंट में एक एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई, माता का थान पुलिस थाना द्वारा बाजोट रेस्टोरेंट में 13 बीयर, पुलिस थाना करवड़ द्वारा भवाद में 34 पव्वे, 10 बीयर व माणकलाव में 71 पव्वे, ग्राम उजालिया में 10 पेटी देशी शराब, दो पेटी अंग्रेजी शराब, 8 पेटी बीयर, पुलिस थाना मंडोर द्वारा गोकुलजी की प्याऊ नट बस्ती में 72 पव्वे, एयरपोर्ट पुलिस थाना द्वारा पंजाबी ढाबा से 21 बीयर, पुलिस थाना माता का थान द्वारा मगरा पूंजला में 12 बीयर व पांच पव्वे तथा महामंदिर पुलिस थाना द्वारा आर्म्स एक्ट में एक कार्रवाई तथा पुलिस थाना देवनगर द्वारा एक व पुलिस थाना बासनी द्वारा दो आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

कुल चौदह प्रकरण दर्ज किए

अभियान के दौरान कुल 36 टीमों का गठन कर 130 स्थानों पर दबिश दी गई जिसके तहत 14 प्रकरण दर्ज किए गए जिनमें 1-1 आम्र्स एक्ट व एनडीपीएस एक्ट में और 12 आबकारी अधिनियम में दर्ज कर कुल नौ आरोपी गिरफ्तार किया गए। आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई में सात अभियुक्तों व एनडीपीएस एक्ट की कार्यवाही में एक अभियुक्त तथा आम्र्स एक्ट में एक अभियुक्त तथा 60 पुलिस एक्ट की कार्रवाई में 10 अभियुक्तों को सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते हुए गिरफ्तार किया गया।

अतिक्रमण को करवाया ध्वस्त

विशेष कार्रवाई के तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त लाभूराम, अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर एवं सहायक पुलिस आयुक्त बोरानाडा के नेतृत्व में जनता वाइन शॉप नहर चौराहा पर शास्त्री नगर पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई। यहां सरकारी जमीन पर अस्थाई टीन शेड के नीचे कुछ लोग शराब का सेवन कर रहे थे जिस पर तुरंत कार्रवाई के तहत नगर निगम दक्षिण टीम को मौके पर बुलाकर अस्थाई शेड को हटाया गया और सामन जब्त किया। साथ ही नौ अभियुक्तों को सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करने पर गिरफ्तार किया गया।

अचेत हालत में मिला युवक

पाली, (नि.सं.)। पाली के बांगड़ हॉस्पिटल के ट्रॉमा वार्ड में नर्सिंगकर्मियों ने एक घायल का इलाज किया, वहीं उसके साथ कोई नहीं होने से उसकी पूरी सेवा की। बेहोशी की हालत में हॉस्पिटल पहुंचाए गए अज्ञात व्यक्ति का नर्सिंग स्टाफ ने नहलाकर उसे नए कपड़े पहनाए।

पाली के बांगड़ हॉस्पिटल के ट्रॉमा वार्ड में मंगलवार को 42 साल के घायल जालोर से रेफर होकर आया। उसका एक पैर टूटा हुआ था। सड़क हादसे में घायल बेहोशी की हालत में था। एम्बुलेंस ड्राइवर उसे छोड़कर चले गए। उसकी बॉडी से बदबू आ रही थी और कपड़े भी काफी पुराने थे। यह देख ड्यूटी पर तैनात नर्सिंग ऑफिसर जगदीश चौहान और बीएससी स्टूडेंट ब्रिजेश से यह देखा नहीं गया। वे बेड पर ही पानी की बाल्टी भरकर लेकर गए और कपड़ा पानी में भिगोकर घायल की बॉडी को अच्छे से साफ किया। ताकि उसे इन्फेक्शन न हो और बॉडी से बदबू न आए। उसके बाद उन्होंने भलाई की भीत से दूसरे कपड़े मंगवाकर उसे पहनाए।

नर्सिंग ऑफिसर बोले- यह तो हमारा काम है मामले में नर्सिंग ऑफिसर जगदीश चौहान ने बताया कि मरीज के साथ कोई नहीं था और बॉडी से बदबू आ रही थी, कपड़े भी पुराने थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत रायपुरिया पंचायत समिति, जालोर

क्रमांक/ग्रांप /मनरेगा /2025-26 /61 दिनांक: 20/05/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 05/2025-26

पंचायत समिति जालोर के अधीनस्थ ग्राम पंचायत रायपुरिया के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 की अवधि के दौरान महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओ में कराये जाने वाले कार्यो के लिए निर्माण स्रामगी एवं उपकरण की आपूर्ति हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 (आदिनांक संशोधित) के अनुसार राजस्थान पंचायत राज नियम 1996 के तहत वस्तु एवं सेवाकर (GST) अधिनियम 2017 के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी द्वारा पंजीकत अनुभवी एंव इच्छुक विर्निमाता (ओ) / विक्रेता (ओ) / फर्मो /संवेदको / आपूर्तिकताओ से जो किसी भी राजकीय संस्थान / उपक्रमों से बोली लगाने से विवर्जित /ब्लेक लिस्टेड नही हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से निविदाएं आमंत्रित की जाती है ई-निविदा संबंधी समस्त विस्तत विवरण कार्यालय नोटिस बोर्ड तथा www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जाकर डाउनलोड कर www.eproc.rajasthan.gov.in. ई-निविदा ऑनलाईन अपलोड की जा सकती है ।

NIB No. - ZJR2526A0214
UBN No. - ZJR2526GLOB00436

सरपंच/प्रशासक, ग्राम पंचायत,रायपुरिया, पंचायत समिति जालोर — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत, रायपुरिया, पंचायत समिति जालोर

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जयपुर मेट्रो फेज़-2 की डीपीआर का अनुमोदन किया

फेज़-2 टोडी रोड से प्रहलादपुरा तक 42.80 किलोमीटर का होगा, 36 स्टेशन बनेंगे

जयपुर, 21 मई। एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुये, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर मेट्रो फेज-2 की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) का अनुमोदन किया है। इस निर्णय के उपरांत, डीपीआर को मेट्रो रेल नीति, 2017 के तहत केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय से अनुमोदन के लिए भिजवाया गया है। केन्द्र सरकार की मंजूरी मिलते ही इस परियोजना का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025-26 के राज्य बजट में जयपुर मेट्रो के फेज-2 का कार्य हाथ में लिए जाने की घोषणा की गई थी।

इस परियोजना के साथ ही, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शहरी परिवहन के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर स्थापित करने जा रही है। यह परियोजना न केवल जयपुरवासियों के सफर को सुगम बनाएगी, बल्कि शहर की अर्थव्यवस्था और निवेश की संभावनाओं को भी नई ऊंचाई देगी। इस परियोजना का क्रियान्वयन राज्य एवं केन्द्र सरकार की नई 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा किया जाएगा। यह कंपनी जयपुर शहर की सभी वर्तमान और भविष्य की मेट्रो परियोजनाओं की जिम्मेदारी निभाएगी। लगभग 12 हजार 260 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना के लिए एडीबी और एआईआईबी ने वित्तीय ऋण प्रदान करने की सहमति दी है।

- **जयपुर शहर का उत्तर-दक्षिण मुख्य ट्रांजिट कॉरिडोर विश्वकर्मा इण्डस्ट्रियल एरिया को सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ेगा।**
- **फेज़-2 के माध्यम से टोंक रोड, विद्याधर नगर, प्रस्तावित अंतरराज्यीय बस 2 टर्मिनल, सवाई मानसिंह अस्पताल, सवाई मानसिंह स्टेडियम तथा कलैक्ट्रेट आदि को सीधे कनैक्टिविटी मिलेगी।**

यह परियोजना जयपुर शहर के उत्तर-दक्षिण मुख्य ट्रांजिट कॉरिडोर टोडी मोड़ से प्रह्लादपुरा तक प्रस्तावित है, जिसकी लंबाई लगभग 42.80 किलोमीटर होगी। इसमें कुल 36 स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिनमें से 34 एलीवेटेड और 2 अंडरग्राउंड होंगे। यह कॉरिडोर शहर के प्रमुख आवासीय, व्यावसायिक, शैक्षिणक एवं औद्योगिक क्षेत्रों, जैसे वीकेआई औद्योगिक क्षेत्र तथा सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र को आपस में जोड़ेगा। इसके अतिरिक्त, दूसरे चरण में हवाई अड्डे के प्रस्तावित नवीन टर्मिनल के ठीक नीचे एक भूमिगत मेट्रो स्टेशन का प्रस्ताव किया गया है, जिससे निर्बाध कनैक्टिविटी उपलब्ध हो सकेगी। फेज़-2 के माध्यम से टोंक रोड, विद्याधर नगर, प्रस्तावित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल्स, सवाई मानसिंह अस्पताल, सवाई मानसिंह स्टेडियम, कलेक्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को भी सीधे कनैक्टिविटी मिलेगी। जयपुर मेट्रो के प्रस्तावित फेज़-2 को वर्तमान में मानसरोवर से बड़ी चौपड तक संचालित फेज़-1 से कनेक्टिविटी हेतु फेज़-1 के रेलवे स्टेशन मेट्रो स्टेशन से प्रस्तावित खासा कोठी मेट्रो स्टेशन के मध्य एक फुट ओवर ब्रिज तथा गवरमैंट हॉस्टल और चांदपोल मेट्रो स्टेशन के बीच एक स्पर लाइन भी प्रदान की गई है, जिससे दोनों अलाइनमेंट के बीच निर्बाध आने-जाने की सुविधा मिल सकेगी।

पाक उच्चायोग के एक और अधिकारी का निष्कासन

नयी दिल्ली, 21 मई। भारत ने यहां पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को उसकी आपत्तिजनक गतिविधियों के कारण बुधवार को अवांछित घोषित कर दिया और उसे 24 घंटे के अंदर देश छोड़ने का निर्देश दिया। विदेश मंत्रालय ने यहां बताया कि भारत सरकार ने नयी दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में काम करने वाले एक पाकिस्तानी अधिकारी को भारत में उसकी आधिकारिक स्थिति के प्रतिकूल गतिविधियों में शामिल होने के कारण अवांछित व्यक्ति घोषित किया है। उक्त अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी को आज इस आशय का आदेश जारी किया गया। उनसे सख्ती से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था कि भारत में कोई भी पाकिस्तानी राजनयिक या अधिकारी अपने विशेषाधिकारों और दर्जे का किसी भी तरह से दुरुपयोग न करे।

- **भारत के विदेश मंत्रालय ने अवांछित गतिविधियों में लिप्त होने के कारण उक्त अधिकारी को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने के आदेश दिए हैं।**

प्रधानमंत्री मोदी ने स्व. राजीव गांधी को 34वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

राहुल गाँधी ने पिता राजीव गांधी के साथ बचपन की फोटो शेयर की और उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 21 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी।

मोदी ने सोशल मीडिया में कहा, मैं हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

खड़गे तथा गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री की समाधि वीर भूमि जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया।

गांधी ने भावुक होकर अपने पिता को याद करते हुए सोशल मीडिया एक्स में एक पोस्ट में कहा, पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। आपके अधूरे सपनों को साकार करना ही मेरा संकल्प है और मैं इन्हें पूरा करके रहूंगा। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के साथ अपने बचपन की एक फोटो भी पोस्ट की है।

- **कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी और 21वीं सदी के भारत के निर्माण में उनके योगदान की सराहना की।**
- **ममता बनर्जी ने भी एक्स पर राजीव गाँधी को याद किया व उन्हें सच्चा शहीद बताया।**

खड़गे ने कहा, 21वीं सदी के भारत के निर्माण में राजीव जी ने अद्वितीय भूमिका का निर्वाह किया। मतदान की आयु घटाकर 18 वर्ष करना, पंचायती राज को मजबूत करना, दूरसंचार और आईटी क्रांति, कम्प्यूटरीकरण कार्यक्रम, निरंतर शांति समझौते, महिला सशक्तिकरण तथा भागीदारी के लिए कई परिवर्तनकारी कदम उठाए।

उन्होंने कहा, राजीव जी ने समाज के सभी तबकों के कल्याण को ध्यान में रख कर अपने शासनकाल में 11 नीतियां बनायी। इसमें नयी शिक्षा नीति, आवास नीति, नई स्वास्थ्य नीति, नयी सिंचाई नीति प्रमुख है।

कई संस्थाओं की स्थापना की। पीने का पानी, टीकाकरण, साक्षरता, बाढ़ नियंत्रण, खाने के तेल, दुग्ध उत्पादन और टेलीकॉम पर टेक्नालाजी मिशन बनाया। एक सच्चे देशभक्त को हम नमन करते हैं।

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धा से याद करती हूं। राजीव जी एक दूरदर्शी नेता और देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सच्चे शहीद थे।

जून से अगस्त के बीच शुरू होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

नयी दिल्ली, 21 मई। पांच साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर की यात्रा इस वर्ष जून से अगस्त के बीच उत्तराखंड और सिक्किम दोनों रास्तों से शुरू होने जा रही है और इसमें कुल 750 यात्री महादेव के धाम जा सकेंगे।

विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए विदेश और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने आज यहां इस यात्रा के लिए पंजीकरण कराने वाले यात्रियों के चयन के लिए कम्प्यूटरीकृत ड्रॉ आयोजित किया।

लिपुलेख दर्रे से होकर जाने पर 22 दिन और नाथू ला दर्रे से होकर 21 दिन का समय लगेगा। लिपुलेख दर्रे के रास्ते से होने वाली यात्रा में इस वर्ष 50-50 यात्रियों के पांच बैच जाएंगे, जबकि नाथू ला दर्रे से होकर जाने वाली यात्रा में 10 बैच जाएंगे। दोनों मार्ग अब पूरी तरह से मोटर चलाने योग्य हैं। उत्तराखंड के रास्ते से जाने वाले यात्रियों को अब पैदल नहीं चलना पड़ेगा। लिपुलेख दर्रे तक सड़क बन गई है। उन्हें केवल सीमा पार करने के लिए करीब एक किलोमीटर ही चलना होगा।

- **यात्रा उत्तराखंड और सिक्किम दोनों रास्तों से आयोजित होगी।**
- **कुल 750 यात्री कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाएंगे, हालांकि अब तक 5 हजार से ज्यादा लोग रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं।**

यात्रियों को एसएमएस और ईमेल संदेशों के माध्यम से उनके चयन के बारे में सूचित किया जाता है। यात्री अपने चयन की स्थिति की जांच करने के लिए यात्रा वेबसाइट या हेल्पलाइन नंबर 011-23088133 पर भी जानकारी ले सकते हैं।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष 5561 आवेदकों ने सफलतापूर्वक ऑनलाइन पंजीकरण कराया था, जिनमें 4024 पुरुष आवेदक और 1537 महिला आवेदक शामिल थीं।

यात्रा के खर्च के बारे में वेबसाइट में बताया गया है कि उत्तराखंड वाले मार्ग के लिए लगभग एक लाख 74 हजार रुपये तथा सिक्किम के रास्ते से जाने वालों के लिए दो लाख 83 हजार रुपये प्रति यात्री का शुल्क लिया जाएगा।

विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्द्धन सिंह ने अपने संबोधन में यात्रा को अधिक सुलभ बनाने और यात्रियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करते हुए, प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यत्रियों से आग्रह किया कि वे एक-दूसरे की देखभाल करते हुए, और पर्यावरण की पवित्रता की रक्षा करते हुए जिम्मेदारी, विनम्रता और भक्तिभाव के साथ तीर्थयात्रा करें।

इंडिगो फ्लाइट की इमरजैंसी लैंडिंग

श्रीनगर, 21 मई। दिल्ली से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट 6 ई 2142 बुधवार शाम टर्बुलैंस में फंस गई। पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल श्रीनगर को इसकी जानकारी दी और इमरजेंसी लैंडिंग कराई। फ्लाइट में 227 यात्री सवार थे। सभी यात्री और एयर क्रू पूरी तरह सुरक्षित हैं।

- **फ्लाइट में टर्बुलैंस की स्थिति में इमरजैंसी लैंडिंग करानी पड़ी, विमान का नोज़ कोन टूटने से यह उड़ान भरने की स्थिति में नहीं है।**

सुरक्षित लैंडिंग के बाद देखा गया कि फ्लाइट की नोज कोन (आगे का हिस्सा) टूट गया है। अब यह विमान फिलहाल उड़ान भरने की स्थिति में नहीं है।

इंडिगो ने बताया कि ओलावृष्टि के कारण इमरजेंसी के हालात बने। हालांकि यह नहीं बताया कि आगे का हिस्सा कैसे टूटा।

पारंपरिक शैली में निर्मित जहाज भारतीय नौसेना में शामिल

केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जहाज आई.एन.एस. कौडिन्य को नौसेना के सुपुर्द किया

नयी दिल्ली, 21 मई। भारतीय नौसेना ने पारंपरिक रूप से 'निर्मित जहाज' को अपने बेड़े में शामिल कर उसे आईएनएसवी कौंडिन्य नाम दिया है।

इस जहाज को बुधवार को कारवाड़ स्थित नौसेना बेस में आयोजित समारोह में नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जो भारत की समृद्ध जहाज निर्माण विरासत को संजोने वाली एक असाधारण परियोजना के समापन का प्रतीक है।

आईएनएसवी कौंडिन्य एक सिला हुआ पाल वाला जहाज है, जो अजंता की गुफाओं की पेंटिंग में दर्शाए गए 5वीं शताब्दी के जहाज पर आधारित है। इस परियोजना की शुरुआत संस्कृति मंत्रालय, भारतीय नौसेना और मेसर्स होदी इनोवेशन के बीच जुलाई 2023 में हस्ताक्षिरत एक त्रिपक्षीय समझौते के माध्यम से की गई थी, जिसके लिए संस्कृति मंत्रालय ने फंड दिया था।

- **यह पालदार जहाज अजंता की गुफाओं की पेंटिग्स में प्रदर्शित 5वीं सदी के जहाज पर आधारित है। इसके लिए फंडिग संस्कृति मंत्रालय ने की थी।**

सितंबर 2023 में इस जहाज के निर्माण की शुरूआत की गई। इस जहाज का निर्माण केरल के कुशल कारीगरों की एक टीम ने सिलाई की पारंपरिक विधि का उपयोग करके किया था। इसका नेतृत्व मास्टर शिपराइट बाबू शंकरन कर रहे थे। कई महीनों तक, टीम ने कॉयर रस्सी, नारियल फाइबर और प्राकृतिक राल का उपयोग करके जहाज के पतवार पर लकड़ी के तख्तों को बड़ी मेहनत से सिल दिया। इस जहाज को इस वर्ष फरवरी में गोवा में लॉन्च किया गया था।

भारतीय नौसेना ने इस परियोजना में केंद्रीय भूमिका निभाई और इसकी डिजाइन, तकनीकी सत्यापन और निर्माण प्रक्रिया की देखरेख की। ऐसे जहाजों के कोई बचे हुए ब्लूप्रिंट न होने के कारण, डिजाइन को प्रतीकात्मक स्त्रोतों से अनुमान लगाया जाना था। नौसेना ने जहाज निर्माता के साथ मिलकर पतवार के आकार और पारंपरिक रिगिंग को फिर से बनाया और यह सुनिश्चित किया कि डिजाइन को समुद्री इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी मद्रास में हाइड्रोडायनामिक मॉडल परीक्षण और आंतरिक तकनीकी मूल्यांकन के माध्यम से प्रमाणित किया गया था। भारतीय नौसेना के नौवहन पोत (आईएनएसवी) के रूप में शामिल, कौंडिन्य कारवाड़ में स्थित रहेगा। यह जहाज अब अपने अगले ऐतिहासिक चरण में प्रवेश करेगा, जिसमें गुजरात से ओमान तक प्राचीन व्यापार मार्ग के साथ एक महासागरीय यात्रा की तैयारी शामिल है जो इस वर्ष के अंत में निर्धारित है।

कन्नड़ लेखिका बानु मुश्ताक को बुकर अवॉर्ड

नयी दिल्ली, 21 मई। 77 साल की बानु मुश्ताक और ट्रांसलेटर दीपा भष्ठी को मंगलवार को उनकी किताब 'हार्ट लैम्प' के लिए इंटरनेशनल बुकर्स प्राइज 2025 से सम्मानित किया गया है।

अवॉर्ड के साथ न सिर्फ उन्होंने 50,000 यूरो का प्राइज मनी जीता है बल्कि इतिहास भी रचा है। यह पहला मौका है जब मूल रूप से कन्नड़ में लिखी किसी किताब को यह अवॉर्ड दिया गया।

पहली बार शॉर्ट स्टोरीज के कलेक्शन को यह अवार्ड मिला है और यह पहला मौका है जब किसी भारतीय ट्रांसलेटर को अनुवाद के लिए बुकर्स सम्मान मिला है। इससे पहले 2022 में 'टूम्ब ऑफ सैंड' के लिए गीतांजली श्री को ये अवार्ड मिला था।

- **पहली बार शॉर्ट स्टोरीज़ के कलैक्शन को यह अवॉर्ड मिला है। बानु मुश्ताक के इस कहानी संग्रह का दीपा भष्ठी ने अंग्रेजी अनुवाद किया है।**

'हार्ट लैम्प', एडवोकेट और एक्टिविस्ट बानु मुश्ताक द्वारा 1990 से 2023 के बीच लिखी 12 शॉर्ट स्टोरीज का कलेक्शन है। इसमें मुस्लिम महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी के किस्से हैं। इन कहानियों के जरिए वो पितृसत्तात्मक सोच, धार्मिक पाबंदियों और लिंगभेद के बारे में बात करती हैं।

मुश्ताक अपनी कहानियों के जरिए देश की अधिकांश महिलाओं की उस घुटन को भी बयां करती हैं जो वो अपने घर के भीतर महसूस करती हैं।

अवैध बांग्लादेशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संपर्क किया, लेकिन उसे आधिकारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी गई। वहीं, बाद में जब याचिकाकर्ता अपने समाज के कुछ लोगों के साथ थाने गया तो उसे मौखिक रूप से जानकारी दी गई कि उसकी मां को अवैध बांग्लादेशी होने के कारण हिरासत में लिया गया है। याचिका में कहा गया कि उसका परिवार मूल रूप से सवाई माधोपुर का है और उसके पूर्वज रोजगार के लिए जामडोली आकर बस गए थे। याचिकाकर्ता की मां के पास आधार कार्ड, वोटर आईडी, पैन कार्ड और राशन कार्ड भी है, लेकिन पुलिस ने इन दस्तावेजों को दिखाने का मौका ही नहीं दिया।

ऐसे में पुलिस की यह कार्रवाई बर्बरतापूर्ण और मनमानी है। ऐसे में प्रशासन को निर्देश दिए जाए कि वह उसकी मां को अदालत में पेश करे और तुरंत हिरासत से मुक्त करे। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

ऑपरेशन सिंदूर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को लेकर बीकानेर जिले के लोगों और नेताओं में अलग ही जोश है। मोदी की फोटो के साथ अलग-अलग स्लोगन वाले होर्डिंग्स सड़कों पर लगाए गए हैं।

पलाना गांव में सभा स्थल पर 54 ब्लॉक बनाये गए हैं।

आगे का ब्लॉक वीवीआईपी, मीडिया और महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगा। सभा स्थल पर करीब एक लाख लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है।

तेज गर्मी को देखते हुए सभा स्थल पर ही 50 बैड का अस्थायी हॉस्पिटल बनाया गया है। यहां भर्ती करने की सुविधा रहेगी। दवाओं का भी इंतजाम रहेगा। सीनियर डॉक्टर्स की ड्यूटी लगाई जा रही है। हर ब्लॉक में पानी के 100-100 कैम्पर होंगे ताकि ठंडे पानी के लिए लोगों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़े। जगह-जगह पानी के टैंकर रहेंगे।

विधानसभा वार भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है। एक मेडिकल टीम देशनोक में रहेगी, जिसके हैड डॉ. आर. के. काजला होंगे। दूसरी टीम प्रधानमंत्री के काफिले में रहेगी, जिसके इंचार्ज डॉ. श्यामलाल मीणा होंगे।

टीचर्स को पीएम के कार्यक्रम में शामिल होने का आदेश दिया गया है। शिक्षा विभाग ने सभी ब्लॉक के पीईईओ (पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी) और अन्य अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि टीचर्स को इस कार्यक्रम में भेजें।

बाँग्लादेश में सेना सत्ता संभाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मतभेद मौजूद हैं और दो स्पष्ट गुट नजर आ रहे हैं। एक धड़ा ऐसा है, जो जिहादी और इस्लामी कट्टरपंथियों के प्रभाव में है। दूसरा गुट ऐसा है जो देश में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अधिक व्यावहारिक रुख अपनाना चाहता है।

देश के अंदर इस्लामी कट्टरपंथी और जिहादी गुट पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ा रहे हैं और पाकिस्तानी सेना तथा उसके सहयोगियों को बांग्लादेश बुला रहे हैं। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी हैं जो जिहादियों के नियंत्रण में चल रही अस्थिरता का विरोध कर रहे हैं।

इन विभिन्न गुटों और उनके आपसी संघर्ष से यह स्पष्ट होता जा रहा है कि अब विपक्षी ताकतें खुले रूप से सामने आ रही हैं। जहाँ अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस कट्टरपंथियों के पक्ष में खड़े हैं और पाकिस्तान के साथ गठबंधन की दिशा में बढ़ रहे हैं, वहीं बांग्लादेश के सेना प्रमुख ज्यादा सतर्क और संतुलित रुख अपना रहे हैं।

दूसरी ओर, बांग्लादेशी सेना यह चेतावनी दे रही है कि इस्लामी कट्टरपंथी तत्व बेकाबू हो चुके हैं और वे देश में व्यापक अस्थिरता पैदा कर रहे हैं। जिहादी अब भी अल्पसंख्यकों पर हमले कर रहे हैं और उनके खिलाफ संगठित, गंभीर कार्रवाइयाँ जारी हैं, जिससे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है।

जानकार पर्यवेक्षकों का मानना है कि सेना यह संकेत दे रही है कि अगर अंतरिम सरकार देश में नियंत्रण बनाए रखने और समग्र स्थिरता बहाल करने में विफल रहती है, तो सेना व्यवस्था बहाल करने के लिए आगे बढ़ सकती है। बाँग्लादेश में एक और सैन्य तख्तापलट की आशंका प्रबल हो गई है। हालांकि, सेना का रूस की ओर झुकाव भारत के लिए अनुकूल माना जा रहा है।

वहीं दूसरी ओर, अंतरिम सरकार लगातार पाकिस्तान के प्रभाव क्षेत्र में आगे बढ़ रही है, और पाकिस्तान तथा सेना को देश में खुला प्रवेश मिल रहा है। पाकिस्तानी प्रभाव के साथ-साथ, चीन भी बांग्लादेश में स्पष्ट रूप से प्रवेश कर रहा है।

पहलगाम की घटना ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर पाने की खुफिया तंत्र की असफलता की चारों तरफ आलोचना हो रही है, खासतौर से इसलिए भी, क्योंकि यह नैटवर्क कथित रूप से भारत के कई राज्यों में लम्बे समय से संचालित एवं सक्रिय था। सूत्रों का कहना है कि इस नैटवर्क के सदस्य जहां दूर-दूर तक फैले हुए थे, वहीं ये विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त नहीं थे तथा विकेन्द्रीयकृत तरीके से काम कर रहे थे। इनमें से कई लोग पैसों के लालच तथा वैचारिक बहकावे के कारण जुड़े हुए थे तथा वे प्रशिक्षित एवं पेशेवर जासूस नहीं थे।

उत्तर प्रदेश पुलिस पूर्व महानिदेशक विक्रम सिंह ने आरोपियों के नौसिखियापन को रेखांकित किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, "गिरफ्तार किये गये ज्यादातर लोगों की पृष्ठभूमि जासूसी नहीं रही है। वे पेशेवर जासूस नहीं रहे हैं। उनमें से कई तो बिल्कुल साधारण लोग हैं, जिनसे संभवतः छोटे-मोटे काम लिए जाते थे।" उन्होंने आगे कहा, "इस प्रकार की गिरफ्तारियां भले ही सनसनीखेज लगती हों, लेकिन ये प्रायः कानूनी जांच की कसौटी पर खरी नहीं उतरती हैं।" यही बात वे लॉ-एन्फोर्समेंट ऑफिसर कह रहे हैं, जो पहले जासूसी मामलों की जांच-पड़ताल से जुड़े रहे हैं। ऐसे बहुत से अधिकारियों का कहना है कि जासूसी से संबंधित बहुत सारे मुकदमे ठोस सबूतों के अभाव, अपर्याप्त जांच-पड़ताल तथा परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता के कारण ट्रायल में टिक नहीं पाते हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, आगे और भी गिरफ्तारियां होने की संभावना हैं, क्योंकि एजेंसियां इस नैटवर्क की पूरी पड़ताल करने में लगी हुई हैं। जो भी है, लेकिन यह केस दो काम जरूर कर रहा है - चेतावनी देने का और सबक देने का। जहां नैटवर्क के भण्डाफोड़ को एक उपलब्धि के रूप में प्रोजेक्ट किया जा रहा है, वहीं, पहलगाम त्रासदी को रोकने तथा हमलावरों को चिन्हित किये जाने की अक्षमता एक सुस्पष्ट असफलता के रूप में ली जा रही है।

पहला संसदीय प्रतिनिधिमंडल रवाना

नयी दिल्ली, 21 मई। आतंकवादी संगठनों की पनाहगार बन चुके पाकिस्तान को दुनिया भर में बेनकाब करने के लिए विभिन्न देशों में जाने वाले सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से पहला प्रतिनिधिमंडल शिवसेना के सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में बुधवार को रवाना हो गया। यह प्रतिनिधिमंडल संयुक्त अरब अमीरात, लाइबेरिया, कांगो गणराज्य और सिएरा लियोन जायेगा। प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद को बिलकुल भी बर्दाश्त न करने के मजबूत संदेश के साथ सभी तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने के भारत के दृढ़ दृष्टिकोण की जानकारी देगा। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने आतंकवाद को बढ ावा देने में लगे पाकिस्तान को घेरने तथा दुनिया को उसकी नापाक हरकतों की जानकारी देने के लिए करीब तीस देशों में सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंल भेजने का निर्णय लिया है।

24 से 31 मई तक कांग्रेस "जयहिंद सभाएं" करेगी

नयी दिल्ली, 21 मई। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि पार्टी 24 से 31 मई तक देश के कई स्थानों पर जय हिंद सभाएं आयोजित करेगी जिनमें पहलगाम हमले के बाद आतंकवादियों के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई के दौरान सेना की बहादुरी को सलाम करके खुफिया तंत्र की विफलता को लेकर सरकार से सवाल पूछे जाएंगे।

कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के प्रमुख कर्नल रोहित चौधरी और विंग कमांडर अनुमा आचार्य ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, पार्टी ने निर्णय लिया है कि 24 से 31 मई तक लोगों के बीच जाकर जय हिंद सभाएँ आयोजित की जाएंगी। यह सभाएं दो चरणों में आयोजित होगी जिसके पहले चरण में 16 शहर चुने गए हैं। ये सभाएं राज्य और जिला स्तर पर होंगी जिनमें हमारे सैनिकों की वीरता को नमन किया जाएगा।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि करीब एक महीने से देश काफी मुश्किल दौर से गुजर रहा है इसलिए कांग्रेस ने यह निर्णय लिया है।

- **पहले चरण में 16 शहरों में सभाएं होंगी, जिसमें सैनिकों को नमन किया जाएगा और फिर कांग्रेस भारत के खुफियां तंत्र की विफलता और ट्रम्प द्वारा अचानक सीज़ फायर की घोषणा करने का मुद्दा उठाएगी व सरकार से सवाल करेगी।**

इन सभाओं से संवाद स्थापित करके सरकार से सवाल पूछे जाएंगे कि पहलगाम में खुफिया तन्त्र विफल कैसे हुआ। अब तक आतंकवादी अब तक पकड़े क्यों नहीं गए और उन्हें पकड़ने के लिए सरकार क्या योजना बना रही है।

विधायक कंवर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में दोषी करार देते हुए 3 साल की सजा सुनाई गई थी। इस फैसले के खिलाफ विधायक मीणा ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उसके बाद, हाईकोर्ट ने विधायक की याचिका पर सुनवाई करते हुए एडीजी कोर्ट अकलेरा के फैसले को बरकरार रखा था।

विधायक ने, हाईकोर्ट से किसी भी प्रकार की राहत न मिलते देख, देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट में लोवर कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी तथा कोर्ट की ओर से सुनाई गई 3 साल की सजा पर पुनर्विचार करने की अपील की थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट की एकल बेंच ने उन्हें राहत प्रदान करते हुए सुनवाई के दौरान कोर्ट में उनके सरेंडर करने पर रोक लगा दी थी, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने एकल बेंच के फैसले को पलटते हुए, विधायक को मनोहर थाना कोर्ट में दो सप्ताह के भीतर सरेंडर करने को कहा था। इसके बाद आखिरकार भाजपा विधायक कंवर लाल मीणा को मनोहर थाना कोर्ट में सरेंडर करना पड़ा।

बाटा ने कैरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने बिल 4704 रुपए का दिया। इसमें 6 रुपए कैरी बैग के लिए वसूले गए थे। परिवादिया ने जब विपक्षी से आग्रह किया कि वह कैरी बैग की कीमत नहीं वसूले तो कर्मचारी ने कहा कि उन्हें बैग लेना ही होगा और इसकी कीमत भी देनी होगी। मजबूर होकर उसने कैरी बैग की कीमत सहित पूरा पेमेंट कर दिया। विपक्षी की इस कार्रवाई को उपभोक्ता आयोग में चुनौती देते हुए कहा कि गया विपक्षी कंपनी कैरी बैग पर अपना विज्ञापन देकर ग्राहकों से उसकी कीमत वसूल रही है और अपने उत्पाद का प्रचार भी कर रही है। ऐसा करना ग्राहकों के साथ न केवल ठगी है, बल्कि अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस भी है। इसलिए उसे विपक्षी कंपनी से हर्जा, खर्चा सहित कैरी बैग के लिए वसूली राशि वापस दिलवाई जाए। गौरतलब है कि प्रिटेंड बैग की कीमत वसूलने पर जिला उपभोक्ता आयोग बाटा कंपनी पर पूर्व में भी दस हजार रुपए का हर्जाना लगा चुका है।

अमेरिका से भारत भेजे गये प्रत्येक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसमें एच-1बी वीज़ा धारक, ग्रीन कार्ड होल्डर (जो अभी नागरिक नहीं बने हैं), और अन्य वीज़ा श्रेणियां शामिल हैं। अमेरिकी नागरिक और नैशनल इससे मुक्त रहेंगे। यह टैक्स ट्रांसफर के समय रैमिटैंस सर्विस या बैंकों द्वारा काटा जाएगा। यानी, अगर कोई व्यक्ति भारत में 1,000 डॉलर भेजता है, तो उसे अतिरिक्त 50 डॉलर टैक्स देना होगा।

करीब 45 लाख भारतीय-अमेरिकियों में से कई नियमित रूप से अपने माता-पिता, बच्चों की पढ़ाई या किसी हैल्थ एमरजैंसी के समय भारत में पैसे भेजते हैं। ऐसे में यह प्रस्ताव इन प्रवासी परिवारों के लिए भारी झटका बन सकता है। भारत में इन प्रवासियों के परिवारों को खर्चों में कटौती करनी पड़ सकती है और भेजने वाले मनी ट्रांसफर की संख्या या रकम घटा सकते हैं। साथ ही, इस टैक्स से बचने के लिए लोग हवाला जैसे असंगठित और जोखिम भरे चैनलों की ओर भी मुड़ सकते हैं।

भारत के लिए आर्थिक दृष्टि से यह एक बड़ा झटका हो सकता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा रैमिटैंस प्राप्तकर्ता है - 2023 में भारत को रिकॉर्ड 100 अरब डॉलर रैमिटैंस के रूप में प्राप्त हुए, जिसमें एक बड़ा हिस्सा अमेरिका से आया। विश्लेषकों का अनुमान है कि 5 प्रतिशत टैक्स लगने से भारत को हर साल लगभग 1.6 अरब डॉलर की रैमिटैंस की हानि हो सकती है। यह छोटी रकम नहीं है, क्योंकि ये फंड भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करते हैं और ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आय का अहम स्त्रोत हैं।

ट्रंप प्रशासन ने इस प्रस्ताव को अवैध इमिग्रेशन को हतोत्साहित करने और बॉर्डर सुरक्षा जैसी घरेलू परियोजनाओं के लिए राजस्व जुटाने की रणनीति का हिस्सा बताया है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि यह टैक्स, कानूनी रूप से अमेरिका में रह रहे प्रवासियों को अनुचित रूप से दंडित करता है, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं और अपने देश में परिवारों का सहारा बनते हैं। इससे अमेरिका, और भारत जैसे बड़े रैमिटैंस रैसीपिएंट देशों के बीच संबंधों में खिंचाव आ सकता है। यह वैश्विक वित्तीय लेनदेन की पारदर्शिता को भी घटा सकता है, क्योंकि लोग अण्डरग्राउण्ड चैनल्स का सहारा ले सकते हैं।

फिलहाल यह टैक्स केवल एक प्रस्ताव है - इसे कानून बनने से पहले अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से पारित होना होगा। लेकिन इस प्रस्ताव की पोलिटिकल टाइमिंग दिलचस्प है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम उन मतदाताओं को रिझाने की कोशिश है जो और अधिक सख्त इमिग्रेशन कंट्रोल और "अमेरिका फर्स्ट" आर्थिक एजेंडे का समर्थन करते हैं।

अगर यह कानून बनता है, तो भारतीय-अमेरिकी परिवारों को कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। लेकिन इसका प्रभाव केवल घरेलू बजट तक सीमित नहीं रहेगा, यह आने वाले वर्षों में अमेरिका-भारत आर्थिक और राजनयिक संबंधों की दिशा को भी बदल सकता है।

65 वर्ष के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मजिस्ट्रेट कोर्ट को सुनवाई करनी है। इसके बावजूद, हाईकोर्ट ने उसे जमानत नहीं दी और जमानत याचिका को खारिज कर दिया। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने बताया कि प्लॉट की खरीद-फरोख्त में धोखाधड़ी को लेकर याचिकाकर्ता के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था, जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था और वह गत 1 अक्टूबर से जेल में हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908

सत्यमेव जयते

विकसित भारत की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम

राजस्थान की जनता के लिए ₹26,000 करोड़ के उपहार

देश भर में
पुनर्विकसित
103 अमृत स्टेशनों

जिसमें शामिल हैं
राजस्थान के 8 अमृत स्टेशन

मण्डावर महुआ रोड | गोविन्दगढ़ | फतेहपुर शेखावाटी | गोगामेड़ी | देशनोक | राजगढ़ | बून्दी | माण्डलगढ़

एवं

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और विद्युत सेक्टर की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन

चूरू – सादुलपुर रेल खंड का दोहरीकरण (58 कि.मी.)

एवं

विद्युत, सड़क परिवहन और राजमार्ग, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा सेक्टर्स तथा राजस्थान सरकार की विभिन्न परियोजनाओं का

शिलान्यास

बीकानेर और मुंबई के बीच देशनोक रेलवे स्टेशन से नई एक्सप्रेस ट्रेन का

शुभारम्भ

विद्युतीकृत रेल खंड

सूरतगढ़ – फलोदी | फुलेरा – डेगाना | उदयपुर – हिंमतनगर
फलोदी – जैसलमेर | समदड़ी – बाड़मेर

एवं

सड़क परिवहन और राजमार्ग सेक्टर की विभिन्न परियोजनाओं का

राष्ट्र को समर्पण

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

के कर कमलों द्वारा

गुरुवार 22 मई, 2025 | प्रातः 10:30 बजे | देशनोक, बीकानेर (राजस्थान)

गरिमामयी उपस्थिति

हरिभाऊ किसनराव बागडे
राज्यपाल, राजस्थान

ओम बिरला
अध्यक्ष, लोक सभा

भजन लाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

अश्विनी वैष्णव
केन्द्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

भूपेन्द्र यादव
केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री

गजेन्द्र सिंह शेखावत
केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

अर्जुन राम मेघवाल
केन्द्रीय विधि और न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री

पुनर्विकसित 103 अमृत स्टेशनों की मुख्य विशेषताएँ

- सिटी सेंटर के रूप में विकास - रूफ प्लाजा, शॉपिंग जोन, विश्राम कक्ष, विशाल परिसंचारी क्षेत्र आदि जैसी सुविधाएं
- विरासत भी विकास भी -स्थानीय वास्तुकला से प्रेरित स्टेशन भवन
- अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार, बेहतर पार्किंग, लिफ्ट, एस्केलेटर, लाउंज, प्रतीक्षालय, ट्रैवलेटर, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं
- मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के एकीकरण से ये स्टेशन बनेंगे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों के केन्द्र
- स्टेशनों के डिज़ाइन में ऊर्जा दक्षता और हरित उपायों को प्राथमिकता, जिससे न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव

अन्य परियोजनाओं के लाभ

- चूरू–सदुलपुर रेल लाइन की डबलिंग से ट्रेन संचालन में वृद्धि, यात्रा समय में कमी और स्थानीय व्यापार में वृद्धि
- एक्सप्रेस ट्रेन से व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को सीधा लाभ
- विद्युतीकृत रेल खंडों से ऊर्जा की बचत

डीडी न्यूज पर लाइव प्रोग्राम देखें DD NEWS | /RailMinIndia हमें फॉलो करें